संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक

घटती घटना

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Sarguja DN/2023-2025

www.ghatatighatana.com

ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 294 गुरुवार 28 अगस्त 2025, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

वैष्णो देवी में लैंडस्लाइड से मौत का आंकड़ा 34 हुआ

कई लापता,चश्मदीद बोले-बड़े-बड़े पत्थर अचानक गिरने लगे और सब तबाह हो गया

जम्मू,27 अगस्त 2025(ए)। वैष्णो देवी मंदिर के ट्रैक पर लैंडस्लाइड में मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर बुधवार को 34 हो गया। हादसा मंगलवार दोपहर 3 बजे पुराने ट्रैक पर अर्धकुमारी मंदिर से कुछ दूर इंद्रप्रस्थ भोजनालय के पास हुआ था। कल देर रात तक सात लोगों के मरने की खबर थी,लेकिन सुबह आंकड़ा बढ़ गया। वहीं,करीब 28 लोग जख्मी हैं और कई लापता हैं। मरने वालों की संख्या और बढ़ सकती है। कल दोपहर बादल फटने के कारण यात्रा स्थगित कर दी गई थी। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा बुधवार को घायलों से मिलने कटरा पहुंचे। उन्होंने बताया कि घायलों की हालत स्थिर है। कई मृतकों की पहचान हो गई है और शव उनके घर भेजने की व्यवस्था हो रही है। श्राइन बोर्ड मृतकों के परिजन को 5 लाख रुपए और डिजास्टर मैनेजमेंट 4 लाख रुपए देगा। जम्मू शहर में मंगलवार को 24 घंटे से भी कम समय में 250 मिमी से ज्यादा बारिश हुई थी। इससे कई जगह बाढ़ जैसे हालात हैं। घरों और खेतों में पानी भर गया है। वैष्णो देवी लैंडस्लाइड के चश्मदीद ने बताया-बड़े-बड़े पत्थर अचानक गिरने लगे और सब तबाह हो गया। नॉर्दर्न रेलवे ने भी आज जम्मू-कटरा से चलने वाली और यहां रुकने वाली 22 ट्रेनें रद्द की हैं। इसके अलावा 27 ट्रेनों को शॉर्ट टर्मिनेट किया गया है।

लोगों की आपबीती : परिवार साथ था,पल में सब कुछ बिखर गया...

- एक श्रद्धालु ने बताया,मैं और मेरा पूरा परिवार साथ जा रहे थे। मेरे बच्चे और पत्नी आगे निकल गए। फिर बहुत जोर से चट्टान गिरी। हमें कुछ समझ नहीं आया। अब मेरा बच्चों का कुछ पता नहीं चल रहा है। हम डरे हुए हैं। पल भर में हमारा सब कुछ बिखर गया।
- एक और व्यक्ति ने बताया, मैं पीछे था। मेरे साथ आए 6 लोग मेरे आगे थे। आगे करीब 100 से ज्यादा लोग और भी थे। मैं अभी भी कांप रहा हूं। मेरे साथ आए लोगों का अभी तक कुछ पता नहीं चला।
- एक और महिला ने बताया, हम माता रानी के दरबार में जा रहे थे। हमें कुछ समझ नहीं आया। मैं और मेरे पति तो बच गए पर मेरे तीनों बच्चे दब गए। सब कुछ तुरंत हो गया।
- पंजाब के मोहाली की रहने वाली किरण ने बताया, मैं दर्शन करके पहाड़ से नीचे आ रही थी, तभी अचानक लोग चिल्लाने लगे। मैंने पत्थर गिरते हुए देखे। मैं किसी तरह सुरक्षित जगह की ओर भागी, लेकिन घायल हो गई। किरण के साथी एक और महिला ने बताया, हम पांच लोग एक ग्रुप में थे, जिनमें से 3 घायल हैं।

जम्मू में भारी बारिश से हालात खराब,3500 लोगों का रेस्क्यू

जम्मू में 11:30 से 5:30 बजे तक 6 घंटे में 22 सेमी बारिश हुई, जो अब तक की सबसे ज्यादा थी। आधी रात के बाद बारिश हुई। झेलम नदी का जलस्तर 22 फीट पार करने पर दक्षिण कश्मीर में बाढ़ अलर्ट जारी किया गया है। जम्मू शहर, आरएस पुरा, सांबा, अखनूर, नगरोटा, कठुआ, उधमपुर समेत कई इलाके बुरी तरह प्रभावित हैं। रियासी, रामबन, डोडा, कटरा, बनिहाल और आसपास हल्की बारिश जारी है। राहत बचाव में जुटी एजेंसियों ने अभी तक सिर्फ जम्मू जिले में 3500 लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया है। पूरे जिले में बचाव शिविर और रिलीफ कैंप बनाए गए हैं। ज्यादातर बचाए गए लोगों को जम्मू के यूथ हॉस्टल में रखा गया है। सेना पूरे इलाके को तीन हिस्सों में बांट कर लोगों को बचा रही है। एक टीम अर्धकुमारी,एक टीम कटरा-ठक्कड़ कोट रोड और एक टीम जौरियन में काम कर रही है।

महाराष्ट्र के विरार में 4 मंजिला इमारत गिरने से 6 लोगों की मौत 8 घायल,रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

नई दिल्ली,27 अगस्त 2025(ए)। महाराष्ट्र में पालघर जिले के विरार में बुधवार सुबह एक 4 मंजिला इमारत गिर गई। इसमें 6 लोगों की मौत हो गई और 8 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। मृतकों में दो पुरुष, दो बच्चे और दो महिलाएं शामिल हैं। मलबे में दबे 9 लोगों का रेस्क्यू किया गया है। सभी को पास के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। घटनास्थल पर राहत और बचाव कार्य जारी है।

भारत पर अमेरिकी टैरिफ की बढ़ोतरी बेहतर दक्षता और साहसिक सुधारों का अवसर : अमिताभ कांत

नई दिल्ली,27 अगस्त 2025 (ए)। नीति आयोग के पूर्व सीईओ और जी-20 शेरपा रह चुके अमिताभ कांत ने कहा कि अमेरिका की तरफ से भारत पर बढ़ाए गए टैरिफ को देश को जागने की घंटी की तरह देखना चाहिए। उनके मुताबिक यह स्थिति भारत को बड़े और साहसिक सुधारों का मौका देती है,जिनसे लंबे समय तक आर्थिक वृद्धि को मजबूती मिलेगी। दिल्ली में बीएन मेमोरियल लेक्चर में बोलते हुए अमिताभ कांत ने कहा- यह भारत का सदी है। ट्रंप टैरिफ लगाएं या न लगाएं, मैं मानता हूं कि उन्होंने हमें एक बड़ा सुधार करने का अवसर दिया है। अमेरिका ने भारत से आयात पर शुल्क बढ़ाने की वजह रूस से तेल खरीद को बताया है। लेकिन कांत ने इसे बहाना करार दिया। उन्होंने कहा-अगर यह सच होता, तो चीन और तुर्की कहीं ज्यादा रूसी तेल खरीद रहे हैं। फिर उन पर ऐसा कदम क्यों नहीं? उन्होंने साफ कहा कि यह मामला तेल से नहीं, बल्कि भू-राजनीतिक दबावों से जुड़ा है। विडंबना देखिए, अमेरिका रूस और चीन से बातचीत कर रहा है, जबकि चीन सबसे बड़ा रूसी तेल खरीदार है। फिर भी निशाना भारत पर साधा गया है।

किसी के बारे में घटिया बातें कहना उचित नहीं...प्रेमानंद महाराज पर रामभद्राचार्य की टिप्पणी पर बाबा रामदेव का रिएक्शन

नई दिल्ली,27 अगस्त 2025(ए)। प्रसिद्ध योग गुरु बाबा रामदेव ने प्रेमानंद महाराज पर रामभद्राचार्य की टिप्पणी को लेकर पहली बार खुलकर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि किसी भी संत या महापुरुष के बारे में घटिया बातें कहना उचित नहीं है। बाबा रामदेव का कहना है कि हमें अपने विचारों में संयम रखना चाहिए और ऐसे बयान देने से बचना चाहिए जो समाज में मतभेद और कटुता को बढ़ावा दें। बाबा रामदेव ने एबीपी न्यूज से खास बातचीत में कहा, अगर हम आपस में ही लड़ेंगे, एक-दूसरे पर कटाक्ष करेंगे और आरोप-प्रत्यारोप लगाएंगे, तो समाज और देश आगे कैसे बढ़ेगा? उन्होंने यह भी कहा कि संतों का काम समाज को जोड़ना है, न कि बांटना। ऐसे में हर साधु-संत और धार्मिक नेता को अपने शब्दों और आचरण में मर्यादा रखनी चाहिए। रामभद्राचार्य द्वारा प्रेमानंद महाराज को लेकर की गई टिप्पणी पिछले कुछ दिनों से चर्चा में है। सोशल मीडिया पर भी इसे लेकर बहस जारी है। कई लोगों ने रामभद्राचार्य की आलोचना की तो वहीं कुछ लोगों ने उनके पक्ष में भी राय दी। इस बीच बाबा रामदेव का बयान महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि वह हमेशा संत समाज की एकजुटता की बात करते रहे हैं। बाबा रामदेव ने कहा कि भारत जैसे देश में जहां संत परंपरा और आध्यात्मिक परंपरा इतनी गहरी है, वहां इस तरह की बयानबाजी समाज को कमजोर करती है।

गुजरात मॉडल कोई आर्थिक मॉडल नहीं 'वोट चोरी का मॉडल' है : राहुल

मुजफ्फरपुर,27 अगस्त 2025(ए)। राहुल गांधी ने वोट अधिकार रैली में भारतीय जनता पार्टी और नरेंद्र मोदी पर वोट चोरी के गंभीर आरोप लगाए। राहुल गांधी ने दावा किया कि नरेंद्र मोदी ने चुनावी धांधली के माध्यम से तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने का दावा किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और चुनाव आयोग की मिलीभगत से यह धांधली हुई है। राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर भाजपा के पक्ष में काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को देश की पिछले दस वर्षों की सभी इलेक्ट्रॉनिक वोटर लिस्ट और वीडियोग्राफी सार्वजनिक करनी चाहिए। राहुल गांधी ने जनता को आगाह किया कि अगर किसी भी व्यक्ति का वोट काटा गया तो यह बड़ा विश्वासघात होगा। उन्होंने कहा कि भारत का संविधान हर नागरिक को बराबर का हक देता है और मतदान का अधिकार उससे कोई नहीं छीन सकता। राहुल गांधी ने चेतावनी दी कि अगर वोट चोरी की कोशिशें नहीं रुकीं तो यह आंदोलन विद्रोह का रूप धारण कर लेगा और जनता भाजपा सरकार को सबक सिखाएगी।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार केवल स्वेच्छा से होना चाहिए,दबाव में नहीं : डॉ. मोहन भागवत

नई दिल्ली,27 अगस्त 2025(ए)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि समाज और जीवन में संतुलन ही धर्म है,जो किसी भी अतिवाद से बचाता है। भारत की परंपरा इसे मध्यम मार्ग कहती है और यही आज की दुनिया की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि दुनिया के समक्ष उदाहरण बनने के लिए समाज परिवर्तन की शुरुआत घर से करनी होगी। इसके लिए संघ ने पंच परिवर्तन बताए हैं-कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक समरसता,पर्यावरण संरक्षण, स्व-बोध (स्वदेशी) और नागरिक कर्तव्यों का पालन। आत्मनिर्भर भारत के लिए स्वदेशी को प्राथमिकता दें तथा भारत का अंतरराष्ट्रीय व्यापार केवल स्वेच्छा से होना चाहिए, किसी दबाव में नहीं। सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत संघ शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में विज्ञान भवन में आयोजित तीन दिवसीय व्याख्यानमाला '100 वर्ष की संघ यात्रा-नए क्षितिज' के दूसरे दिन संबोधित कर रहे थे। इस दौरान सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले,उत्तर क्षेत्र के प्रांत संघचालक पवन जिंदल और दिल्ली प्रांत संघचालक डॉ. अनिल अग्रवाल मंच पर उपस्थित रहे। मोहन भागवत जी ने कहा कि संघ का कार्य शुद्ध सात्त्विक प्रेम और समाजनिष्ठा पर आधारित है। संघ का स्वयंसेवक कोई व्यक्तिगत लाभ की अपेक्षा नहीं रखता। यहाँ इंसेंटिव नहीं हैं,बल्कि डिसइंसेंटिव अधिक हैं। स्वयंसेवक समाज-कार्य में आनंद का अनुभव करते हुए कार्य करते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जीवन की सार्थकता और मुक्ति की अनुभूति इसी सेवा से होती है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ऑपरेशन महादेव में शामिल सुरक्षाकर्मियों को सम्मानित किया

नई दिल्ली,27 अगस्त 2025 (ए)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को सशस्त्र बलों, अर्धसैनिक बलों और जम्मू-कश्मीर पुलिस के उन जवानों से मुलाकात की और उन्हें सम्मानित किया, जिन्होंने ऑपरेशन महादेव के तहत 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकी हमले का बदला लिया और पाकिस्तानी समर्थित तीनों आतंकवादियों को ढेर किया था। गृह मंत्री अमित शाह ने सुरक्षाकर्मियों की बहादुरी और पीड़ित परिवारों के दर्द और पीड़ा को कम करने के लिए उनकी सराहना की,जो जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बैसरन घाटी में छुट्टियां मनाते समय हुई इस निर्मम हत्या से स्तब्ध और व्यथित थे। ऑपरेशन महादेव के दौरान सुरक्षाकर्मियों ने 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकी हमले में शामिल सभी आतंकवादियों को मार गिराया। पहलगाम में पर्यटकों को धर्म के आधार पर निशाना बनाया गया था और फिर उनकी हत्या कर दी गई थी। यह ऑपरेशन संसद के मानसून सत्र की शुरुआत में ही संपन्न हुआ था। गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में भी इसकी जानकारी दी। इस ऑपरेशन के बारे में गृह मंत्री ने सांसदों को बताया था कि सभी जांचों और फॉरेंसिक साक्ष्यों से पुष्टि हुई है कि ऑपरेशन महादेव में मारे गए आतंकवादियों ने ही पहलगाम में एक नेपाली पर्यटक सहित 26 निर्दोष लोगों की हत्या की थी। इससे पहले दिन में आयोजित विशेष सम्मान समारोह में गृह मंत्री ने सशस्त्र बलों, सीआरपीएफ कमांडो और जम्मू-कश्मीर पुलिस के जवानों को सम्मानित किया। गृह मंत्री ने सभी सुरक्षाकर्मियों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की और राष्ट्र के प्रति उनकी सेवा के सम्मान में उन्हें स्मृति चिन्ह और शॉल भेंट किए। ऐसा माना जा रहा है कि ऑपरेशन महादेव टीम ने तीन महीने तक चले इस ऑपरेशन के दौरान आतंकवादियों का पता लगाने और उन्हें खत्म करने में आई चुनौतियों और अनुभवों को भी गृह मंत्री के साथ साझा किया।

देश के लिए किसी भी हद तक जाएंगे : राजनाथ

महू के रण संवाद में कहाचुनौतियां बड़ी हैं,लेकिन हमारा संकल्प उससे भी बड़ा

महू,27 अगस्त 2025(ए)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा- हमें किसी की जमीन नहीं चाहिए, लेकिन अपनी जमीन की रक्षा के लिए हम किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। जब हम आगे की ओर देखते हैं,तो हमें याद रखना चाहिए कि भारत के सामने चुनौतियां बड़ी हैं,लेकिन हमारा संकल्प और साहस उससे भी बड़ा है। दुनिया हमें सिर्फ हमारी शक्ति के लिए ही नहीं, बल्कि सत्य, शांति और न्याय के प्रति हमारे समर्पण के लिए भी सम्मान देती है। उन्होंने कहा- देश की रक्षा केवल सीमा पर तैनात सैनिकों द्वारा ही नहीं की जाती, बल्कि नई तकनीक विकसित करने वाले वैज्ञानिकों, हथियार प्रणाली बनाने वाले उद्योगपतियों और अगली पीढ़ी को युद्ध के लिए तैयार करने वाले शिक्षकों द्वारा भी की जाती है। राजनाथ ने यह बात महू में आयोजित रण संवाद 2025 के दूसरे दिन बुधवार को कही। उन्होंने कहा- हमें अपनी एकता,अपनी स्पष्ट नीयत और पूरी प्रतिबद्धता के साथ इस देश को आगे ले जाना है। इसी आत्मविश्वास के साथ हम 2047 की ओर पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ेंगे। भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। आधुनिक दौर में युद्ध अब सिर्फ जमीन, समुद्र और आकाश तक सीमित नहीं रह गए हैं, बल्कि अंतरिक्ष और साइबर स्पेस तक फैल चुके हैं। सैटेलाइट सिस्टम,एंटी-सैटेलाइट हथियार और स्पेस कमांड सेंटर अब शक्ति के नए साधन बन गए हैं। आज साइबर वॉरफेयर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस,ड्रोन और सैटेलाइट आधारित निगरानी युद्ध की नई दिशा तय कर रहे हैं।

रणनीति को मजबूत करेगा रण संवाद

रक्षा मंत्री राजनाथ ने कहा- आज का रण संवाद सिर्फ विचारों का आदान-प्रदान नहीं है, बल्कि सुरक्षा, नीति निर्माण और तीनों सेनाओं के विभिन्न पहलुओं को समझने का एक अवसर है। यहां होने वाली चर्चाएं हमें यह सोचने का अवसर देंगी कि हम भारत को कैसे और अधिक सशक्त, सुरक्षित और आत्मनिर्भर बना सकते हैं। ये न केवल रक्षा रणनीति को मजबूत करेंगी, बल्कि एक दीर्घकालिक दृष्टिकोण बनाने में भी मददगार साबित होंगी।

खाद संकट पर भड़के भाजपा विधायक, कलेक्टर पर उठाया हाथ और दी गालियां

भिंड,27 अगस्त 2025(ए)। भिंड में खाद संकट को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया। भाजपा विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह ने बुधवार को कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव के आवास के बाहर धरना दिया और इस दौरान उनका धैर्य जवाब दे गया। कहा जा रहा है कि विधायक ने कलेक्टर को धमकी दी,गाली-गलौज की और थप्पड़ मारने के लिए हाथ भी उठाया। मामला इतना बढ़ा कि उनके समर्थक भी भिंड कलेक्टर चोर है के नारे लगाने लगे। जानकारी के अनुसार, विधायक कुशवाह अपने समर्थकों के साथ किसानों की समस्या लेकर कलेक्टर आवास पहुंचे थे। वे चाहते थे कि कलेक्टर बाहर आकर बात करें,लेकिन कलेक्टर के इनकार पर विधायक भड़क उठे। कहा-सुनी इतनी बढ़ी कि विधायक ने कलेक्टर को औकात दिखाने की धमकी दी और मुक्का भी तान दिया। हालांकि, मौके पर मौजूद गार्ड और अधिकारियों ने बीच-बचाव कर स्थिति को बिगड़ने से बचाया। विधायक का आरोप है कि जिले में खाद वितरण सही तरीके से नहीं हो रहा।

2030 तक 300 अरब डॉलर की बायोइकोनॉमी का लक्ष्य,भारत में बायोटेक बनेगा विकास का इंजन : डॉ. जितेंद्र सिंह

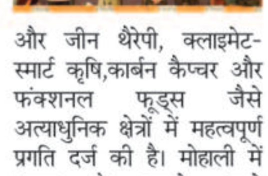

नई दिल्ली,27 अगस्त 2025 (ए)। भारत ने पिछले एक दशक में जिस तेजी से बायोटेक्नोलॉजी क्षेत्र में प्रगति की है, वह न केवल विज्ञान एवं तकनीक की सफलता का प्रतीक है, बल्कि देश की आर्थिक और सामाजिक संरचना को भी गहराई से प्रभावित करने वाला परिवर्तन है। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह द्वारा घोषित यह तथ्य कि भारत की बायोइकोनॉमी वर्ष 2030 तक 300 अरब डॉलर (लगभग 25 लाख करोड़ रुपये) को छू लेगी, इस दिशा में नए युग की शुरुआत का संकेत देता है। पिछले वर्ष लागू की गई BioE3 नीति ने भारत के बायोटेक क्षेत्र को नई दिशा दी है। एक साल में ही देश ने जैव-निर्माण , सेल और जीन थैरेपी, क्लाइमेट-स्मार्ट कृषि,कार्बन कैप्चर और फंक्शनल फूड्स जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति दर्ज की है। मोहाली में भारत के पहले बायो मैन्युफैक्चरिंग संस्थान की स्थापना,बायो-आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हब्स और बायोफाउंड्री नेटवर्क का गठन इस बात का प्रमाण है कि भारत न केवल शोध कर रहा है बल्कि उसे व्यावहारिक स्तर पर उद्योग और समाज तक पहुँचाने का भी प्रयास कर रहा है।

संपादकीय

भारत-चीन संबंधों में सुधार

चीन को अहसास है कि भारत ने कुछ अमेरिका के बदले रुख और कुछ आर्थिक जरूरतों के कारण उसकी तरफ हाथ बढ़ाया है। तो उसकी सोच है कि भारत और अमेरिका के बीच दूरी जितनी बढ़ाई जा सके,वह उसके दीर्घकालिक हित में होगा।भारत- चीन के संबंधों में जिस तेजी से सुधार हो रहा है, उन पर सहज यकीन नहीं होता। चीनी विदेश मंत्री वांग यी की भारत यात्रा के दौरान माहौल सतर्कता भरी गर्मजोशी का रहा। ऐसा महसूस हुआ कि फिलहाल भारत सरकार का जो मन बदला है, चीन उसका पूरा फायदा उठा लेने की फिराक में है। चीन का मकसद रणनीतिक है। उसे अहसास है कि भारत ने कुछ अमेरिका के बदले रुख और कुछ आर्थिक जरूरतों के कारण उसकी तरफ हाथ बढ़ाया है तो चीन की सोच संभवतः यह है कि इस मौके पर भारत और अमेरिका के बीच दूरी जितनी बढ़ाई जा सके,वह उसके दीर्घकालिक हित में होगा। नतीजतन, वांग की यात्रा के दौरान चीन ने रेयर अर्थ,अन्य खनिजों एवं उर्वरकों का भारत को निर्यात की इजाजत देने के संकेत दिए। दोनों देश सीधी विमान सेवा और सीमा व्यापार फिर शुरू करने की ओर भी आगे बढ़े हैं। चीन ने तिब्बत में बन रहे दुनिया के सबसे बड़े बांध के कारण ब्रह्मपुत्र नदी में दल के बहाव के बारे में भारत में फैली चिंता का समाधान करने की कोशिश भी की। वांग सीमा वार्ता के लिए नई दिल्ली आएथे। इस दिशा में भी प्रगति हुई। सीमा निर्धारण के लिए विशेषज्ञ दल बनाने का निर्णय हुआ है। वांग की यात्रा के दौरान सबसे प्रमुख घटना उनकी प्रधानमंत्री से मुलाकात रही,जिस दौरान नरेंद्र मोदी ने शंघाई सहयोग संगठन की चीन में होने जा रही शिखर बैठक में भाग लेने की पुष्टि कर दी। मोदी ने कहा-भारत और चीन के बीच स्थिर,पुर्वानुमेय एवं रचनात्मक संबंध का क्षेत्रीय एवं वैश्विक शांति और समृद्धि में महत्त्वूपर्ण योगदान होगा।' मगर कई पेच बाकी हैं। उनमें सीमा विवाद सिर्फ एक है। गौरतलब है कि वांग नई दिल्ली से सीधे पाकिस्तान गए हैं। दक्षिण एशिया में चीन और भारत की रणनीतियों में टकराव के पहलू बने हुए हैं। उनके रहते दोनों देश समान मकसद के लिए काम कर पाएंगे,इसकी संभावना कम दिखती है।

विश्व शांति के खलनायक

अंतरराष्ट्रीय समस्याओं को हल करने तथा विश्व शांति की स्थापना के लिए न्यूयॉर्क में संयुक्त राट्र संघ भी है...

श्याम लाल कौशल
रोहतक,हरियाणा

बहुत समय पहले आई एक फिल्म का गाना है...तूं हिंदू बनेगा,न मुसलमान बनेगा। इंसान की औलाद है,इंसान बनेगा। कुदरत ने तो बंख्शी थी हमें एक ही धरती, हमने कहीं भारत और कहीं ईरान बनाया....! यह धरती अलग-अलग महाद्वीपों और देशों वाली धरती बनकर रह गई है। विकास के नाम पर जहां वैज्ञानिक तरक्की के फल स्वरुप लोगों को बहुत सारी सुख सुविधाएं मिल रही है,असाध्याय बीमारियों का इलाज संभव हो पाया है, अलग-अलग देशों में व्यापार बढ़ा हैं, हम विभिन्न संस्कृतियों को जानने और अपनाने में सफल हुए हैं, अलग-अलग देशों के लोग एक दूसरे के यहां न सिर्फ आने जाने लगे हैं बल्कि दूसरे देश में जाकर स्थाई निवासी बनकर बसने भी लगे हैं। विभिन्न अंतरराष्टीय समस्याओं को हल करने तथा विश्व शांति की स्थापना के लिए न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र संघ भी है इसके लगभग 193 देश सदस्य हैं। सारा विश्व एक ग्लोबल विलेज अर्थात वैश्विक गांव बन गया है।

लेकिन आधुनिक विश्व की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि सब कुछ जानते हुए भी उसने तबाही के अस्त्र-शास्त्र,मिसाइलें, ड्रोन, परमाणु बम आदि भी विकसित कर लिए हैं जो कि विश्व को कई बार तबाह करने की क्षमता रखते हैं। अमेरिका द्वारा जापान के हिरोशिमा तथा नागासाकी पर 1945 में गिराए गए बमों के फल स्वरुप जो वहां पर बेकसूर लोग मारे गए,जख्मी हुए, धरती बंजर हो गई, शायद विश्व के नेताओं ने उसको लेकर विश्व शांति को कायम रखने का सबक नहीं सीखा बल्कि पहले से भी ज्यादा खतरनाक तबाही के सामान को इकट्ठा कर लिया है। अमेरिका,रूस, इंग्लैंड, फ्रांस पाकिस्तान, चीन आदि देशों ने भारी मात्रा मे परमाणु बम बना लिए हैं, ईरान के पास खतरनाक मिसाइलों के बहुत बड़े भंडार हैं। आज का विश्व विनाश के कगार पर खड़ा है। अपने आप को बहुत समझदार कहने वाले तथा मानव अधिकारों की रक्षा करने वाले देश आपस में मिलजुल कर रहने के बदले में एक दूसरे को तबाह करने पर उतारू है। रूस और यूक्रेन में पिछले तीन सालों से युद्ध चल रहा है। इस युद्ध के शुरू होने का मुख्य कारण यह है कि रूस नहीं चाहता कि यूक्रेन नाटो का सदस्य बने क्योंकि इससे यूक्रेन पर खतरा होने पर सभी नाटो के देश रूस के दरवाजे तक पहुंच जाएंगे, जबकि यूक्रेन नाटो का सदस्य बनने में दिलचस्पी रखता है। 3 साल से चल रहे रूस यूक्रेन युद्ध में दोनों तरफ भारी तबाही हो रही है और बेकसूर लोग मारे जा रहे हैं। रूस ने यूक्रेन के बड़े इलाके पर कब्जा कर लिया है।इस युद्ध की विशेषता यह है कि अमेरिका तथा यूरोप के देश यूक्रेन की मदद कर रहे हैं जबकि चीन और उत्तरी कोरिया रूस का समर्थन कर रहे हैं। इस बीच अमेरिका के राष्ट्रपति,डोनाल्ड ट्रंप ने रूस के राष्ट्रपति पुतिन, यूक्रेन के राष्टपति,जेलेंस्की तथा यूरोप के कुछ देशों के अध्यक्षों के साथ बातचीत करके युद्ध रुकवाने की कोशिश की परंतु सफल नहीं हो सके। इस युद्ध के खलनायक अमेरिका के राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप, रूस के राष्टपति पुतिन , यूक्रेन के राष्टपति,जेलेस्की, चीन के राष्टपति,जिनपिंग तथा उत्तरी कोरिया के तानाशाह, किम जोंग हैं।

समय-समय पर उत्तरी कोरिया तथा दक्षिणी कोरिया के शासको में भी एक दूसरे के ऊपर हमला करने की संभावना बनी रहती है। छोटी सी चिंगारी से दोनों देशों में कब युद्ध भड़क जाए,कुछ कहानी जा सकता।

उधर चीन ताइवान पर कब्जा करने के लिए उसके आसपास युद्ध अभ्यास करता रहता है,उसकी वायु सीमा का अतिक्रमण करता है, ताइवान को चीन अपना एक अभिन्न अंग मानता है। जबकि ताइवान की रक्षा के लिए अमेरिका ने पर्याप्त सैनिक सुरक्षा के प्रबंध कर रखे हैं। किस समय चीन के द्वारा ताइवान पर हमला कर दिया जाए और उसकी रक्षा के लिए अमेरिका कूद पड़े और युद्ध की ज्वाला भड़क उठे, कुछ कह नहीं सकते। यहां पर विश्व शांति के खलनायक है अमेरिका के राष्टपति, डोनाल्ड ट्रंप, चीन के राष्टपति, जिनपिंग तथा ताइवान के राष्टपति,लाइ चिंग ते।

उधर इजरायल और आतंकवादी संगठनों,हमास,हूती आदि में खतरनाक युद्ध चल रहा है,गाज़ा में रहने वाले 70000 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं,इसराइल के सैनिकों ने भारी तबाही करके गाज़ा को मिट्टी में मिला दिया है। गाज़ा वास्तव में फिलिस्तीन का एक हिस्सा है। लेकिन इसराइल गाजा पर कब्जा करना चाहता है, हर रोज भूख प्यास से परेशान गाज़ा के उन शरणार्थियों पर गोलीबारी की जाती है जो कि लाइन में खड़े होकर रोटी लेने की अपनी बारी की इंतजार कर रहे होते हैं। कहना ना होगा कि हमास तथा हूती का पोषक,ईरान ही है। ईरान और इजराइल में युद्ध हो चुका है,दोनों तरफ काफी नुकसान हुआ है, अमेरिका ने ईरान में उन ठिकानों पर बमबारी की जहां पर की परमाणु बम बनाने की तैयारी हो रही थी,वह बात अलग है कि अमेरिका को अपने मकसद में कामयाबी नहीं मिली। बेशक इसराइल और ईरान में कहने को तो युद्ध विराम है लेकिन फिर भी इजरायल की खुफिया एजेंसी,मोसाद ईरान में विध्वंसक कारवाइयां करता रहता है। ईरान के धार्मिक गुरु,खामनेई ने अमेरिका की शर्तों को मानकर अपने परमाणु कार्यक्रम को बंद करने से इनकार कर दिया है और अमेरिका तथा इसराइल को हमला करने की स्थिति में सबक सिखाने की चेतावनी दी है। इस बीच इजरायल उन अन्य अरब देशों पर हमले करता रहता है जहां पर उसको नुकसान पहुंचने वाले आतंकवादी छिपे होने की संभावना होती है। इस तरह इस क्षेत्र में विश्व शांति के खलनायक हैं इसराइल के प्रधानमंत्री,बेंजामिन नेतन्याहू, ईरान के धार्मिक गुरु खामनेई। अरब देशों में तुरकिया के राष्टपति,इरदुगान भी आग में घी डालने का काम करते रहते है। वह इसराइल के तो खिलाफ हैं लेकिन यूक्रेन के पक्ष में है।

भारत और पाकिस्तान में 1947 से लेकर अब तक चार युद्ध हो चुके हैं जिसका मुख्य कारण कश्मीर विवाद है। हर बार पाकिस्तान को मुंह की खानी पड़ी है। कुछ समय पहले पाकिस्तान ने अपने द्वारा प्रशिक्षित आतंकवादी भेज कर कश्मीर में पहलगाम में 26 बेकसूर लोगों को धर्म पूछकर मौत की नींद सुला दिया गया। भारत ने बदले की कार्रवाई के तौर पर ऑपरेशन सिंदूर के द्वारा पाकिस्तान के कई आतंकवादी ठिकानों तथा ऐयरबेसों को नष्ट कर दिया। पाकिस्तान ने भी ड्रोन हमले के द्वारा तथा सैनिक कार्रवाई के द्वारा जम्मू कश्मीर के सीमावर्ती क्षेत्रों को नुकसान पहुंचाया। दोनों देशों में सैनिक संघर्ष में भारत ने पाकिस्तान को नाकों तले चने चबा दिए। आखिरकार पाकिस्तान के प्रार्थना करने पर दोनों देशों में युद्ध विराम हो गया लेकिन भारत ने यह कहा है कि भविष्य में अगर पाकिस्तानी आतंकवादियों ने भारत में कहीं भी नुकसान पहुंचाया तो जिस तरह अब ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई की गई है, यह कार्रवाई दोबारा भी की जा सकती है। विश्व शांति को खतरे को लेकर यहां खलनायक है पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर। संयुक्त राष्ट्र संघ भी विश्व शांति स्थापित करने में बहुत बुरी तरह से नाकाम रहा है। विश्व शांति को खतरा इस बात से है कि विश्व के अधिकांश नेता महत्वाकांक्षा तथा अहंकार के शिकार है। दूसरों पर शासन करना चाहते हैं। विभिन्न धर्म के लोग अपने धर्म को सबसे अच्छा और दूसरे के धर्म को घृणित समझते हैं। बातों को लेकर विश्व शांति को खतरा है।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

अर्थतंत्र की ताकत और विज्ञान की भूमिका राष्ट्र के विकास के लिए सर्वोपरि

संजीव ठाकुर
रायपुर,छत्तीसगढ़

वर्तमान समय में वैश्विक प्रगति और आर्थिक स्रोत तंत्र के लिए आधुनिक तथा वैज्ञानिक शिक्षा जरूर अत्यंत आवश्यक है। हमे केवल आधुनिक विचारधारा शिक्षा पद्धति पर निर्भर न रहकर अपनी सांस्कृतिक परंपराओं और सनातन संस्कृति के धरातल से जुड़ना होगा। तब जाकर सनातनी सांस्कृतिक,विचारधारा एवं आधुनिक वैज्ञानिक शिक्षा पद्धति का संतुलन यथोचित तरीके से हो पाएगा ।

भारत का सांस्कृतिक, सनातनी, वैदिक इतिहास सदैव गौरवपूर्ण रहा है। वेदों पुराणों और सनातनीं संस्कारों में इतनी शक्ति है कि भारतीय संस्कृति अनंत काल तक कभी नष्ट नहीं हो सकती है। भारतीय संस्कृति का लचीलापन एवं व्यापक ग्राह्यता इतनी विशाल है कि इस सभ्यता ने कई सभ्यताओं को अपने में समाहित कर एक विशाल धर्मनिरपेक्ष वातावरण तैयार किया है और वट वृक्ष की तरह अपनी शाखाएं वैश्विक स्तर पर प्रचारित, प्रसारित की है। यह वैदिक अध्यात्म योग और संस्कृति का ही प्रतिफल है कि भारत के नागरिक विश्व में चहुंओर निवास कर रहे हैं। अब समय आ गया है कि भारत को अपनी संस्कृति आध्यात्मिक तथा संस्कारों के आत्म बल के दम पर विश्व का नेतृत्व करना होगा एवं विश्व गुरु बनने की प्रक्रिया में नए नए सोपान निर्मित करने होंगे । प्रारंभ से ही शांति तथा मानवता को लेकर भारत में अपनी विकास यात्रा प्रारंभ की है आध्यात्मिक चिंतन और सनातनी इतिहास इस बात का गवाह है कि भारत विश्व शांति की बहाली के लिए विश्व को मार्गदर्शन देने का हौसला तथा क्षमता दोनों रखता है। अब यह समय आ चुका है कि भारत को विश्व का मार्गदर्शी प्रणेता बन जाना चाहिए।

जिंदगी का कैनवास जन्म से लेकर मृत्यु तक समुद्र की तरह विराट और गहराई लिए हुए होता है। जीवन में वयक्तिक,पारिवारिक, धार्मिक, आध्यात्मिक, सामाजिक विकास की संभावनाओं के साथ मनुष्य अपना जीवन प्रारंभ कर विकास तथा ऊंचाइयों को प्राप्त कर सकता है। बशर्ते उसके व्यक्तित्व में जीवन के प्रति जीजिविषा, संघर्ष करने की क्षमता, आत्म विश्वासके घटक मौजूद हों।

ऐतिहासिक तौर पर भारतीय विकास की सांस्कृतिक संरचना एवं संस्कार के मूलभूत तत्वों को लेकर दुनिया में अभूतपूर्व रही है। वैसे भी भारतवर्ष सभ्यता से लेकर संस्कृति के मामले में वैभवशाली इतिहास को समेटे हुए हैं। विकास और प्रगति के सोपान को एक दिन,वर्ष या दशक में रेखांकित नहीं किया जा सकता, यह एक निरंतर, सतत एवं समय के साथ चलने वाली क्रिया की प्रतिक्रिया है। प्रकृति सभ्यता तथा मानव जीवन में परिवर्तन एक अकाट्य सत्य और शाश्वत अभिक्रिया है। व्यक्ति के जीवन तथा समाज या देश में विकास के संदर्भ में एवं घटकों को प्रारंभ से आदमी का धन उपार्जन, गरीबी भुखमरी से लड़ाई भूतकाल की कुरीतियों की विडंबना से संघर्ष का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। किसी भी राष्ट के राजा, सम्राट या राष्ट प्रमुख की अपनी क्षमता ,शक्ति, ऊर्जा और उसके विवेक से उस राष्ट की प्रगति विशाल या न्यूनतम होती देखी गई है। भूतकाल में कई संघर्षशील एवं उत्साह से लबरेज यात्रियों के वृतांत हमारी नजरों में आए हैं यथा कोलंबस और वास्कोडिगामा जैसे अत्यंत ऊर्जावान संघर्षशील और साहसिक यात्रियों द्वारा लगभग नामुमकिन रास्तों की खोज कर एक मिसाल कायम की है। नेपोलियन का एक बड़ा सूत्र वाक्य था कुछ भी असंभव नहीं है। बिस्मार्क जर्मनी के एक ऐसे सम्राट रहे हैं जिनके बारे में कहा जाता है की उनके हाथों में दो गेंद तथा 3 गेंदें हवा में होती थी, यूरोप का जादूगर भी कहलाता था, पूर्व से ही समुद्रगुप्त ,कनिष्क, सम्राट अशोक, चंद्रगुप्त मौर्य, शेरशाह सूरी जैसे शासकों का अदम्य आत्मविश्वास एवं संघर्ष करने की क्षमता के फल स्वरुप भी भारत आज इस स्वरूप में विद्यमान है। अर्थशास्त्रीय दृष्टिकोण से भी किसी भी राष्ट्र में सदैव विकास वैभव और आर्थिक तंत्र को मजबूत करने की संभावनाएं अवस्थित रहती हैं। भारत की विशाल जनसंख्या को देखते हुए भारत में गरीबी, भुखमरी ,बाढ़ तथा अन्य विभीषिका सदैव आती जाती रहती हैं। विशाल जनसंख्या के होने के कारण भारत में ही भारत की बड़ी जनसंख्या गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रही है और केवल भारत के कुछ नागरिकों को ही सारी जीवन की सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं, बाकी लोग इन सुविधाओं से वंचित भी हैं। हमारा देश स्वतंत्रता के बाद से ही आवाज की कमी भूख गरीबी भ्रष्टाचार काला धन हवाला कुपोषण बेरोजगारी की बड़ी समस्याओं से जूझ रहा है। भारत की विशाल जनसंख्या के बावजूद ऐतिहासिक तौर पर देश सांस्कृतिक वैचारिक और संस्कारी ग्रुप से सदैव समृद्ध रहा है और धार्मिक रूप से भी देश में ज्ञान की जड़े बहुत गहराई तक हैं। भारत को आध्यात्मिक रूप से समृद्ध करने के लिए वेद, पुराण, उपनिषद, गीता ,रामायण ,महाभारत महा ग्रंथों की पृष्ठभूमि बड़ी ही शक्तिशाली है। भारत में अनेक विदेशी आक्रमणों को झेल कर उन्हें आत्मसात किया है किंतु हमारी संस्कृत पाली एवं प्राकृत भाषा अन्य भाषाओं के साथ आज भी समृद्ध है। भारत में अनेक भाषा क्षेत्र एवं बोलियां हैं किंतु हिंदी, पंजाबी, गुजराती, बांग्ला, मराठी ,असमिया भाषाएं उसी तरह पल्लवित पुष्पित हो रही हैं जैसे की संस्कृत और प्राकृत पाली भाषा होती रही है। देश के नागरिकों की भौतिकवादी सुविधा के लिए भी हमने वतानुकुलित यंत्र ,वायुयान तेज चलने वाली ट्रेनें और वायुमंडल में अनेक ऐसे तथ्यों को जो आज तक छुपे हुए थे उजागर कर अपने महत्व के लिए इसका उपयोग करना शुरू किया है।

बिहार चुनाव में फिर पक्की दारू-पक्का वोट की गूंज

अजय कुमार
लखनऊ,उत्तरप्रदेश

बिहार विधान सभा चुनाव की आहट जैसे-जैसे तेज होती जा रही है, वैसे-वैसे यूपी से बिहार के लिये अवैध शराब की तस्करी भी बढ़ने लगी है। इसी के साथ पक्की दारू पक्का वोट की पुरानी कहावत एक बार फिर बिहार में सुनाई देने लगी है। दरअसल,राज्य में लागू शराबबंदी के बावजूद शराब के प्रति लोगों की ललक और नेताओं की सियासी जरूरत दोनों ही शराब तस्करी को बढ़ावा देते हैं। खासकर चुनाव के वक्त, जब वोटों को साधने के लिए दारू एक बड़ा हथियार बन जाती है,तब तस्करी नेटवर्क और ज्यादा सक्रिय हो जाते हैं। इसी लिये उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़,पश्चिम बंगाल जैसी राज्यों से शराब की खेप बिहार पहुंचाई जाती है,जिसमें सबसे बड़ा योगदान यूपी का है। इस बार तो चुनावी मौसम की तैयारी में तस्करी नेटवर्क कुछ और ज्यादा रणनीतिक हो गया है। चंदौली, वाराणसी, बलिया,गाजीपुर, देवरिया, सोनभद्र, कुशीनगर समेत यूपी के सीमावर्ती जिलों से हर रोज शराब की खेप चोरी-छिपे बिहार पहुंच रही है। पुलिस की सख्ती और चेकिंग के बावजूद तस्कर नए-नए तरीके अपना रहे हैं। हाल ही में चंदौली पुलिस ने ट्रक की तलाशी में व्हाइट सीमेंट की बोरियों के पीछे छुपाकर रखी 720 पेटियां विदेशी शराब जब्त की, जिसकी कीमत 1.12 करोड़ रुपए थी। यह खेप पंजाब से तस्करी कर बिहार भेजी जा रही थी और चुनावी तैयारियों के लिहाज से इसे बांटा जाने वाला था।

तस्करों के नेटवर्क का विस्तार यूपी के ग्रामीण इलाकों से लेकर बड़े शहरों तक फैला हुआ है। वे अक्सर रेलवे लाइन, हाईवे और नदी तंत्र का इस्तेमाल करते हैं, जिससे ट्रांसपोर्ट आसान हो जाता है। हाल के महीनों में कोपागंज पुलिस और एसओजी टीम ने मऊ में 9 लाख की शराब जब्त की। वहीं, प्रतापगढ़-मथुरा के रास्ते हरियाणा से भी अवैध शराब बिहार भेजी जा रही थी, जिसमें लाखों की खेप पकड़ी गई। यूपी और बिहार की सीमाएँ लगभग 1,060 किलोमीटर लंबी हैं, जिसकी निगरानी बड़ी चुनौती है। यही वजह है मद्य निषेध इकाई को चुनावी सीजन में सक्रियता बढ़ानी पड़ गई है। जिसके चलते शराब की तस्करी के मामले तो पकड़े जा रहे हैं, लेकिन अभी भी बड़ी मात्रा में शराब बिहार पहुंच रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, जनवरी से मई 2025 तक बिहार में शराब तस्करी के 64 मामले सामने आए, जिनमें से 25 प्रतिशत खेप यूपी निर्मित विदेशी शराब की थी। प्रशासन ने यूपी-पंजाब समेत 8 राज्यों से सहयोग मांगा है और सीमावर्ती जिलों में चेकपोस्ट बढ़ाने का फैसला किया है। आगामी चुनाव में बिहार के 23 सीमावर्ती जिलों में 390 से ज्यादा चेकपोस्ट बनाने की योजना है और ड्रोन, सीसीटीवी, हैंडहेल्ड स्कैनर से निगरानी कड़ी की जा रही है।

शराब की तस्करी के पीछे सिर्फ मुनाफा ही नहीं, बल्कि बड़े सियासी समीकरण भी काम करते हैं। चुनाव के समय नेताओं और बड़ी पार्टियों के लिए अवैध दारू का नेटवर्क वोटर जुटाने का सबसे आसान जरिया बन जाता है। हर बार की तरह पक्की दारू, पक्का वोट की ताकत इस बार भी बिहार में देखी जा सकती है,जिसमें तस्कर, कारोबारी और नेताओं की सांठगांठ से शराब की बोतलें मतदाताओं तक पहुंचती हैं। इसके बदले वोट का वादा लिया जाता है जो बिहार की सियासत का ध्यानाकर्षण बिंदु बना हुआ है। प्रशासन ने क्यूआर कोड, बैच नंबर जैसी तकनीकों से अवैध शराब की पहचान-पता करना शुरू कर दिया है ताकि तस्करी के रैकेट का पर्दाफाश हो सके।

कुल मिलाकर, बिहार के चुनाव में फिर दारू के साथ वोट का समीकरण चर्चा में है। पुलिस के तमाम प्रयासों के बावजूद तस्करी के गिरोह तेजी से पैठ बना रहे हैं, जिससे राज्य सरकार को अपनी मद्य निषेध नीति सख्ती से लागू करनी होगी। चुनाव का मौसम जैसे-जैसे करीब आ रहा है,वैसे-वैसे शराब तस्करी का दौर और तेज होता जा रहा है और इस बार भी पक्की दारू पक्का वोट का ट्रेंड बिहार सियासत का बड़ा सच बन गया है।

चुनाव आयोग खुद0 एक ऐसी मजबूर संस्था

देश में गिनी चुनी संस्थाएं थीं, जिनके कामकाज को देश के अंदर और बाहर भी सराहा जाता था। उनमें एक संस्था चुनाव आयोग था। टीएन शेषन के समय लोगों ने जाना कि चुनाव आयोग एक संस्था होती है और वह चाहे तो सरकारों को कुछ भी करने के लिए मजबूर कर सकती है। लेकिन अब चुनाव आयोग खुद एक ऐसी मजबूर संस्था दिख रही है, जिस पर दया आती है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने दोनों चुनाव आयुक्तों के साथ पिछले रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जिसमें उसकी ऐसी दयनीयता सामने आई, जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती है।विपक्ष के आरोपों पर ऐसे ऐसे बेसिरपैर के तर्क दिए जा रहे थे, जैसे तर्क टेलीविजन की बहसों में पार्टी के प्रवक्ता भी नहीं देते हैं। चुनाव आयोग ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके नेता प्रतपिक्ष राहुल गांधी को धमकाया कि आपने जो आरोप लगाए हैं उन्हें हलफनामे के साथ चुनाव आयोग के सामने दायर करें या देश से माफी मांगें। सोचें, पहले चुनाव आयोग सिर्फ एक लाइन कह देता था कि आरोपों की जांच कराई जाएगी और मामला खत्म हो जाता था। अब आयोग को हलफनामा चाहिए तब जांच होगी। चुनाव आयोग की साख और हैसियत ऐसी हो गई है कि विपक्षी पार्टियों के नेता खुलेआम उसे धमकी दे रहे हैं। राहुल गांधी कह रहे हैं कि चुनाव आयोग के अधिकारी और कर्मचारी होशियार हो जाएं। सत्ता बदलेगी तो सबका हिसाब होगा। उन्होंने यहां तक कहा कि रिटायर हो जाने के बाद भी कोई नहीं बचेगा। इससे पहले क्या किसी संवैधानिक संस्था के प्रति ऐसी अनादर वाली बात किसी विपक्षी पार्टी के मुंह से निकलती थी? विपक्षी पार्टियां चुनाव आयोग की प्रेस कॉन्फ्रेंस को भाजपा के प्रवक्ताओं की प्रेस कॉन्फ्रेंस बता रही हैं। ऐसा होने चुनाव आयोग की अपनी करनियों, अपने रवैए से साख और प्रतिष्ठा गंवाने से है। आयोग ने निष्पक्ष और तटस्थ दिखने का प्रयास ही बंद कर दिया है।इसकी एक मिसाल तो यही है कि राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके बेंगलुरू सेंट्रल लोकसभा सीट की एक विधानसभा सीट महादेवपुरा में एक लाख वोट की गड़बड़ी का आरोप लगाया तो चुनाव आयोग ने तत्काल राहुल को नोटिस जारी कर दिया और कहा कि वे अपने आरोपों को हलफनामे के साथ जमा कराएं। इसके अगले ही दिन भाजपा के सांसद अनुराग ठाकुर ने रायबरेली और अमेठी लोकसभा में लाखों वोटों की गड़बड़ी का आरोप लगाया तो चुनाव आयोग ने उनको नोटिस जारी करने की जरुरत नहीं समझी। चुनाव प्रचार के दौरान भी सत्ता पक्ष के नेताओं के भड़काऊ भाषण की अनगिनत शिकायतें दर्ज कराई जाती हैं लेकिन चुनाव आयोग कान में तेल डाल कर बैठा रहता है। लेकिन अगर किसी विपक्षी नेता के खिलाफ शिकायत आ जाए तो तत्काल कार्रवाई की जाती है। चाहे खर्च का मामला हो या भड़काऊ भाषण का मामला हो या मतदान में गड़बड़ी का मामला हो। हर मामले में चुनाव आयोग विपक्ष के विरोध में काम करता दिखता है। तभी विपक्षी पार्टियों ने उसे भाजपा का अभिन्न अंग बताना शुरू कर दिया है। विपक्षी पार्टियों ने पिछले दिनों कहा कि आयोग को इतने बड़े कार्यालय की क्या जरुरत है। भाजपा कार्यालय में एक फ्लोर पर उसका ऑफिस बना दिया जाए।आज स्थिति है कि जिसको मन होता है वह चुनाव आयोग पर आरोप लगा कर चला जाता है और आयोग इस बात का रोना रो रहा है कि उसकी इज्जत होनी चाहिए। चुनाव आयोग की ओर से वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि वोट चोरी' जैसा शब्द बहुत अपमानजनक है और ऐसी बात नहीं कही जानी चाहिए। लेकिन सवाल है कि जब आयोग को खुद अपनी इ'जत का ख्याल नहीं है तो दूसरा कोई क्या कर सकता है? विपक्ष कह रहा है कि मतदान की वीडियो फुटेज जारी की जाए तो आयोग ऐसे बेसिरपैर के तर्क देता है कि दूसरे की मां, बहनों, बेटियों की फुटेज क्यों जारी करें। सोचें, यह क्या तर्क है? विपक्ष फर्जी वोट जोड़े जाने के आरोप लगाता है तो विपक्ष से कहा जाता है कि हलफनामे के साथ सबूत दो। विपक्ष कंप्यूटर से पढ़े जा सकने लायक मतदाता सूची यानी मतदाता सूची की सॉफ्ट कॉपी मांगता है तो आयोग कहता है कि नहीं देंगे। इसके बाद भी आयोग को फुल इ'जत चाहिए!

हरिशंकर व्यास

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

गणेश चतुर्थी पर आरंभ हुआ 10 दिवसीय गणपति महोत्सव,भक्तिमय माहौल में गूंजा गणपति बप्पा मोरया

शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक गणेश उत्सव की धूम

-संवाददाता-
अंबिकापुर,27 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।

बुधवार को गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर अंबिकापुर में 10 दिवसीय गणपति महोत्सव का शुभारंभ भक्ति,उल्लास और आस्थामय वातावरण के साथ हुआ। सुबह से ही घरों, मंदिरों और जगह-जगह बनाए गए भव्य पंडालों में गणपति बप्पा मोरया के जयघोष गूंजने लगे। श्रद्धालुओं ने विधिपूर्वक पूजा-अर्चना कर भगवान गणेश की प्रतिमाएं स्थापित कीं और सुख-समृद्धि का आशीर्वाद मांगा। गणेश चतुर्थी को लेकर अंबिकापुर में विशेष उत्साह देखा गया। गणेशोत्सव की तैयारियां लगभग पंद्रह दिन पूर्व ही शुरू हो गई थीं। गणेश पंडालों की भव्यता, रंग-बिरंगी विद्युत सज्जा और सांस्कृतिक आयोजनों की तैयारियों ने पूरे शहर को एक अलग ही आभा प्रदान की है। बुधवार को जैसे ही सुबह पूजन का शुभ मुहूर्त हुआ, श्रद्धालु गणपति बप्पा की प्रतिमा स्थापित करने में जुट गए। शहर के प्रमुख मार्ग जैसे जयस्तंभ चौक,सदर रोड, देवीगंज रोड, ब्रह्म रोड, चांदनी चौक मायापुर, चर्च रोड केदारपुर,दरीपारा,महाराजा गली और गांधीनगर सहित अन्य क्षेत्रों में आकर्षक और भव्य पंडालों में गणेश प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। इन स्थानों पर विशेष भीड़ देखी जा रही है। वहीं ग्रामीण अंचलों में भी छोटे-बड़े पंडालों में गणपति बप्पा की प्रतिमाएं विधिवत स्थापित कर पूजन-अर्चन प्रारंभ हो चुका है। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी शहर की प्रमुख पूजा समितियों ने सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की है। अगले कुछ दिनों में भजन संध्या, सुंदरकांड पाठ, धार्मिक प्रवचन और प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। भजन संध्या में प्रसिद्ध भजन मंडलियों और स्थानीय कलाकारों की प्रस्तुतियां भी होंगी, जिससे माहौल पूरी तरह भक्तिमय बना रहेगा। गणेशोत्सव के पहले दिन शाम को सभी पंडालों में सामूहिक आरती का आयोजन हुआ,जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। आरती के दौरान ढोल-नगाड़ों की धुन और शंख-घंटियों की आवाज से वातावरण गुंजायमान हो गया। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक हर वर्ग के लोग उत्सव में भागीदारी निभा रहे हैं। एसईसीएल कॉलोनी, गांधी स्टेडियम क्षेत्र, नया बस स्टैंड और शहर के अन्य मोहल्लों में भी निजी स्तर पर गणेश प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। इन स्थानों पर भी श्रद्धालु पूरे उत्साह से पूजा-अर्चना कर रहे हैं। गणपति महोत्सव के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन ने भी विशेष तैयारी की है। यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए प्रमुख पंडालों के पास अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। साथ ही आयोजकों से भी सुरक्षा नियमों का पालन सुनिश्चित कराने को कहा गया है। पूरे दस दिनों तक चलने वाले इस गणपति महोत्सव का समापन अनंत चतुर्दशी को होगा, जब भव्य शोभायात्रा के साथ प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाएगा। फिलहाल पूरे अंबिकापुर शहर में गणपति बप्पा के स्वागत में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास का माहौल देखने को मिल रहा है।

तेज रफ्तार कार ने तीन लड़कियों को टक्कर मारकर विद्युत खंभे में टकराई

-संवाददाता-
अंबिकापुर,27 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।

शहर के दरिमा रोड पर बुधवार को एक अनियंत्रित तेज रफ्तार कार ने पैदल चल रहीं तीन लड़कियों को टक्कर मारते हुए विद्युत ट्रांसफार्मर के खंभे से टकराई। हादसे में तीनों लड़कियां घायल हुई हैं। जिन्हें इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हादसा चंपा नाला के पास की है। तीनों लड़कियां पैदल अंबिकापुर की ओर जा रही थीं। इसी दौरान पीछे से आ रही तेज रफ्तार अनियंत्रित कार क्रमांक सीजी 10 बीएच 5525 ने लड़कियों को टक्कर मार दी। कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि लड़कियों को टक्कर मारने के बाद वाहन अनियंत्रित होकर सडक़ किनारे लगे विद्युत ट्रांसफार्मर के खंभे से टकरा गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे के बाद राहगीरों और स्थानीय लोगों ने तत्काल घायलों को मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया। घायल में जयंती कोरवा (15), निवासी मानिक प्रकाशपुर लिमपारा, शाक्षी पाण्डेय (15) और उर्मिला नागेश (16), दोनों निवासी चंपा नाला के पास के रूप में हुई है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार में महिला, पुरुष और बच्चे समेत चार से पांच लोग सवार थे। हादसे में कार सवार को भी चोटें आई है। जिनका इलाजा निजी अस्पताल में चल रहा है। सूचना पर मौके पर पहुंची कोतवाली व मणिपुर पुलिस ने मामले की जांच की।

पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कार को क्रेन मंगवाकर घटनास्थल से हटवाया और दुर्घटना में घायल तीनों लड़कियों की स्थिति की जानकारी लेने अस्पताल पहुंची। सीएसपी ने बताया कि तीनों घायलों की स्थिति खतरे से बाहर है।

दो दिन से लापता किसान का खेत में मिला शव,परिजन ने जताया हत्या की आशंका

-संवाददाता-
लुण्ड्रा,27 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।
लुण्ड्रा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत खाराकोना बरगीडीह में दो दिन से लापता एक किसान का शव बुधवार सुबह खेत में पड़ा मिला। उसके सिर, गले और पीठ पर गहरे चोट के निशान पाए गए हैं, जिससे प्रथम दृष्टया हत्या की आशंका जताई जा रही है। पुलिस आगे की कार्रवाई के लिए पीएम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। जानकारी के अनुसार भादवा तिर्की (48 वर्ष) 25 अगस्त की सुबह खेत में काम करने के लिए फावड़ा लेकर घर से निकला था। वापस न आने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। उसी दिन उसकी पत्नी जब खेत पहुंची, तो मेड़ पर फावड़ा पड़ा मिला, लेकिन भादवा का कोई पता नहीं चला। परिजन दो दिनों तक उसकी लगातार खोजबीन करते रहे। बुधवार सुबह भादवा के छोटे भाई को खेत में उसका शव पड़ा मिला। जो घर से करीब 300 मीटर दूर था। घटना की सूचना मिलने पर लुण्ड्रा थाना प्रभारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया और शव को पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। उसके सिर, गले और पीठ पर गहरे चोट के निशान पाए गए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मधुमक्खियों के हमले में महिला की मौत,मवेशी चराने गई थी जंगल

-संवाददाता-
जयनगर,27 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।
जयनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत पहाडग़ांव के सतीपारा की एक महिला की मधुमक्खियों के हमले में मौत हो गई। मृतिका की पहचान 50 वर्षीय सोनकुंवर यादव,पति बुद्धू राम यादव के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, सोमवार को सोनकुंवर यादव पिलखा डेम के जंगल में मवेशी चराने गई थी। इसी दौरान अचानक मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल महिला को परिजन तत्काल अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही जिला पंचायत सदस्य नरेंद्र यादव मृतका के घर पहुंचे और परिजनों से मिलकर शोक संवेदना प्रकट की। उन्होंने लटोरी तहसीलदार से बात कर पीड़ित परिवार को शीघ्र आर्थिक सहायता राशि दिलाने की मांग की। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जंगल में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं, जिससे भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। वहीं प्रशासन ने घटना की जांच कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

दुर्घटनाग्रस्त ट्रैक्टर से मिले 12 लाख के गांजा

बलरामपुर,27 अगस्त 2025 (घटती-घटना)। बलरामपुर के कोतवाली थाना क्षेत्र के दलधोवा में दुर्घटनाग्रस्त ट्रैक्टर से पुलिस ने करीब 12 लाख रुपये कीमत के सवा क्विंटल गांजा की बड़ी खेप बरामद की। पुलिस ने बताया कि उक्त ट्रैक्टर मंगलवार की रात अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई जिसमें एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। दुर्घटना के कारण ट्रैक्टर में बनाए गए चैंबर में टूट फूट होकर गांजे के पैकेट्स बिखरे हुए थे। पुलिस के अनुसार सवा क्विंटल गांजा बताया जा रहा है। ओडिशा से गांजा लेकर झारखंड की ओर ले जाया जा रहा था। पुलिस ट्रैक्टर और गांजा को कब्जे में लेकर तस्करी के मामले में जांच शुरू कर दी है।

ग्राम पंचायत जामकानी में बिना लाइसेंस 90 बोरी यूरिया खाद के अवैध भंडारण पर कार्रवाई

-संवाददाता-
अंबिकापुर,27 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।
कृषि विभाग की टीम ने औचक निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत जामकानी में बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध यूरिया भंडारण का मामला उजागर किया है। टीम को निरीक्षण के दौरान शंभुनाथ मिश्रा पिता गया प्रसाद मिश्रा के आवास में गजेंद्र कुमार राय पिता रामाधार राय द्वारा 90 बोरी यूरिया खाद का अवैध भंडारण एवं विक्रय किए जाने की पुष्टि हुई। जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि विक्रेता के पास आवश्यक लाइसेंस नहीं था और यूरिया खाद को अघोषित परिसर में संग्रहीत कर घोषित मूल्य से अधिक दर पर बेचा जा रहा था। सूचना मिलते ही अनुविभागीय कृषि अधिकारी सीतापुर श्रीमती अनीता एक्का, उर्वरक निरीक्षक श्री संतोष वेक, जिलास्तरीय निरीक्षण अधिकारी श्री जे. आलम, उर्वरक निरीक्षक श्री सोहन भगत और एसएडीओ रामदेव निराला व आरएईओ सुरेश पैकरा ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की।

एसईसीएल ने बुलडोजर से धान की फसल रौंदी,ग्रामीणों का विरोध

-संवाददाता-
अंबिकापुर,27 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।
लखनपुर थाना क्षेत्र के परसोढ़ी कला गांव में अमेरा ओपनकास्ट कोल माइंस के विस्तार को लेकर मंगलवार से तनाव की स्थिति बन गई है। एसईसीएल प्रबंधन द्वारा किसानों की खड़ी धान की फसल में बुलडोजर चलाए जाने से ग्रामीण भडक़ गए और विरोध तेज कर दिया। जानकारी के अनुसार इस क्षेत्र में 2001 में भूमि अधिग्रहण किया गया था। लेकिन अब तक केवल 19 किसानों ने ही मुआवजा लिया है। शेष किसानों को न तो मुआवजा मिला है और न ही नौकरी। मंगलवार को महेंद्र प्रसाद राजवाड़े और शिवपाल राजवाड़े की फसल पर बुलडोजर चला दिया गया। बुधवार को भी खुदाई का कार्य जारी रहा, लेकिन ग्रामीणों के भारी विरोध के चलते काम रोकना पड़ा।

ग्रामीणों का कहना है कि अब जमीन की कीमत कई गुना बढ़ चुकी है और उस समय नौकरी के लिए जिनका नाम प्रस्तावित था, वे अब उम्रदराज हो चुके हैं। वे चाहते हैं कि उनके बच्चों को नौकरी दी जाए। पूर्व जनपद सदस्य धर्मेंद्र झरिया ने आरोप लगाया कि एसईसीएल की मनमानी से किसानों की फसलें नष्ट हो रही हैं। जिन किसानों ने मुआवजा नहीं लिया, उनकी जमीन पर जबरन खुदाई की जा रही है। इस मामले पर एसईसीएल के वरिष्ठ अधिकारी केके भोई ने कहा कि जमीन का अधिग्रहण 2001 में ही हो चुका है और खेती न करने का नोटिस पहले ही दिया गया था। मुआवजा ट्रिब्यूनल में जमा करने की अनुमति मिल चुकी है।

840 श्रद्धालु अयोध्या धाम के लिए रवाना

-संवाददाता-
अंबिकापुर,27 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।
प्रधानमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत बुधवार को अंबिकापुर से 840 श्रद्धालु अयोध्या धाम दर्शन के लिए विशेष ट्रेन से रवाना हुए। यह अंबिकापुर से तीर्थ यात्रा के लिए रवाना होने वाली पांचवीं स्पेशल ट्रेन है। अंबिकापुर रेलवे स्टेशन से ट्रेन को महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से मुलाकात कर सुखद यात्रा की शुभकामनाएं दीं। इस तीर्थ यात्रा में अंबिकापुर की महापौर समेत कई पार्षदगण भी अयोध्या दर्शन के लिए रवाना हुए हैं। स्टेशन परिसर में भक्ति भाव के वातावरण के बीच श्रद्धालुओं में उत्साह और खुशी देखने को मिली। श्रद्धालुओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री को तीर्थ यात्रा योजना के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के तहत जिले के उप स्वास्थ्य केंद्रों में स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन

-संवाददाता-
अंबिकापुर,27 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।
छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे रजत महोत्सव के तहत जिले के विभिन्न उप स्वास्थ्य केंद्रों में स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों तक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना और उन्हें स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता प्रदान करना था। अम्बिकापुर विकासखंड के बिशुनपुर सेक्टर स्थित ग्राम पंचायत जगदीशपुर के उप स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित शिविर में लगभग 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया। यहां उपस्थित चिकित्सा टीम द्वारा लोगों की स्वास्थ्य जांच, रोग पहचान, आवश्यक परामर्श एवं औषधि वितरण की व्यवस्था की गई। साथ ही प्रतिभागियों को पोषण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, संक्रामक रोगों की रोकथाम और स्वच्छता संबंधी जानकारी भी प्रदान की गई।

कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, ग्रामीण स्वास्थ्य कार्यकर्ता और स्थानीय जन प्रतिनिधियों की सक्रिय भूमिका रही। इस अवसर पर अधिकारियों ने बताया कि रजत महोत्सव के दौरान जिले के अन्य उप स्वास्थ्य केंद्रों में भी इसी प्रकार के स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, जिससे अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सकें।

फर्जी हस्ताक्षर करने वाली हुई गिरफ्तार

-संवाददाता-
शंकरगढ़,27 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।

आंगनबाड़ी सहायिका भर्ती गड़बड़ी मामले में फर्जी अंकसूची में सिग्नेचर करने वाली एक और आरोपिया गिरफ्तार,पूर्व में 08 अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर भेजा जा चुका है सलाखों के पीछे मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि प्रार्थी प्रभारी परियोजना अधिकारी, एकीकृत बाल विकास परियोजना, कुसमी जिला बलरामपुर रामानुजगंज द्वारा अनुभाग शंकरगढ़ में सन् 2024-25 में हुए आंगनबाड़ी सहायिका भर्ती में गड़बड़ी की शिकायत पर कलेक्टर बलरामपुर के द्वारा गठित जांच कमिटी को आंगनबाड़ी बेहराटोली जार्गिम,कटहरपारा महुआडीह,धाजापाठ कोठली,डूमरपानी बेलकोना में चयनित सहायिकाओ द्वारा अन्य आरोपियों के साथ मिलकर कक्षा आठवीं की फर्जी अंकसूची तैयार कर उसके आधार पर चयनित होना पाए जाने पर फर्जी तरीके से चयनित चारों सहायिकाओ एवं अन्य सहयोगियों के विरुद्ध थाना शंकरगढ़ में अपराध क्रमांक-115/2025 धारा-318(2), 318(4), 338, 336(3), 340(2),61(2) भारतीय न्याय संहिता पंजीबध्द कर विवेचना दौरान फर्जी अंकसूची के आधार पर चयनित हुई चारों सहायिका 1. अरमाना पति शमशेर आलम उम्र 29 वर्ष। साकीन जारगीम 2. रिजवाना पति अमरुद्दीन उम्र 33 वर्ष साकिन महुआडीह 3. प्रियंका यादव पति आशीष यादव उम्र 27 वर्ष शाकिन कोठली 4. सुशीला सिंह पति उमाशंकर सिंह उम्र 26 वर्ष साकिन बेलकोना सभी थाना शंकरगढ़ को विधिवत हिरासत में लेकर न्यायालय में पेश किया गया है। शंकरगढ़ पुलिस द्वारा मामले में अन्य पहलुओं पर विवेचना करते हुए प्रकरण के अन्य आरोपियों के साथ मिलकर अजिजी पब्लिक स्कूल का फर्जी अंकसूची तैयार करना पाए जाने से दिनांक 25.08.25 को अजीजी पब्लिक स्कूल के 1. समसुद्दीन अंसारी पिता स्वर्गीय ज़कीरा अंसारी उम्र 50 वर्ष पता भगवतपुर थाना शंकरगढ़ अजीजी पब्लिक स्कूल के संचालक, 2. आबिद अंसारी पिता समसुद्धीन अंसारी उम्र 22 वर्ष पता भगवतपुर आजिजी पब्लिक स्कूल भरतपुर के प्रिंसिपल, 3. उमाशंकर पैकरा पिता सिकुल पैकरा उम्र 30 वर्ष पता बेलकोना थाना शंकरगढ़, 4. शिवनारायण रवि पिता स्व.भिखवा उम्र 30 वर्ष पता महुआडीह थाना शंकरगढ़ सहित पूर्व में कुल 08 और आरोपियों को गिरफ्तार कर रिमांड पर जेल भेजा गया है।

मामले में आगे की विवेचना दौरान आरोपिया शाहिना परविन पिता समसुद्दीन अंसारी उम्र 26 वर्ष पता भगवतपुर थाना शंकरगढ़ द्वारा अपने भाई पिता के साथ मिलकर अपना हस्ताक्षर कर फर्जी अंकसूची तैयार करना पाए जाने से शाहिना परवीन को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया गया है।

अधिक किमत पर खाद विक्रय पर प्रशासन की कार्यवाही

निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत पर बेच रहे थे खाद

-संवाददाता-
बलरामपुर,27 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।
प्रशासन द्वारा जिले भर में खाद के अवैध परिवहन,भंडारण पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। इसी कड़ी में विकासखण्ड वाड्रफनगर अंतर्गत अधिक मूल्य में यूरिया खाद विक्रय पर कड़ी कार्यवाही की गई। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री नीरनिधि नन्देहा के नेतृत्व में प्राप्त सूचना के आधार पर खाद निरीक्षक,कृषि विभाग,नायब तहसीलदार एवं पटवारी की संयुक्त टीम ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान बजरंग ट्रेडर्स दुकान की जांच की गई। जांच में पाया गया कि बजरंग ट्रेडर्स के संचालक द्वारा किसानों को यूरिया खाद शासकीय दर 266 रुपये प्रति बोरी के स्थान पर 950 रुपये में बेचा जा रहा था। यह दर शासन द्वारा निर्धारित मूल्य से लगभग चार गुना अधिक है। जिस पर संयुक्त टीम द्वारा दुकानदार के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही की गई। अनुविभागीय अधिकारी श्री नन्देहा ने बताया कि शासन ने किसानों की सुविधा हेतु उर्वरकों की कीमत तय कर रखी है। ऐसे में अगर कोई दुकानदार निर्धारित मूल्य से अधिक दाम पर खाद बेचते पाया गया तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। उल्लेखनीय है कि शासन-प्रशासन का उद्देश्य है कि प्रत्येक किसान को समय पर और उचित मूल्य पर खाद उपलब्ध हो सके ताकि किसान अच्छी फसल ले सकें। जिले में कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा के निर्देशन में उर्वरक दुकानों की नियमित जांच की जा रही है। साथ ही किसानों से अपील की गई है कि यदि कहीं पर निर्धारित दर से अधिक पर खाद बेचा जा रहा है तो तत्काल इसकी सूचना प्रशासन को दें।

जुआ एक्ट के मामले मे 13 वर्ष से जारी वारंट पर की गई कार्यवाही

13 वर्ष से फरार स्थाई वारंटी गिरफ्तार,थाना कोतवाली पुलिस टीम द्वारा स्थाई वारंट किया गया तामिल

-संवाददाता-
अंबिकापुर,27 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।
जिले के सभी थाना/चौकी प्रभारियों द्वारा अपने अपने थाना छेत्र मे लंबित स्थाई वारंट/गिरफ़्तारी वारंट की तामिली कर वर्षो से फरार चल रहे वारंटियों कों माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है, इसी क्रम मे थाना कोतवाली पुलिस टीम द्वारा केश नंबर 530/12 धारा 13 जुआ एक्ट के मामसे मे फरार चल रहे आरोपी जवाहर प्रसाद साकिन गोधनपुर अंबिकापुर के प्रकरण मे उपस्थित नही रहने पर माननीय न्यायालय द्वारा आरोपी का स्थाई वारंट जारी किया गया था, आरोपी कों न्यायालय के समक्ष पेश करने हेतु जारी स्थाई वारंट के अनुसार थाना कोतवाली पुलिस टीम के प्रयास से 13 वर्षो से फरार चल रहे स्थाई वारंटी कों पकड़कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया हैं। स्थाई वारंट की तामिली मे थाना कोतवाली से उप निरीक्षक सम्पत पोटाई आरक्षक संजीव पाण्डेय, अभिषेक सिंह सक्रिय रहे।

CMYK

श्रीलंकाई सुप्रीम कोर्ट ने दिसानायके सरकार को भेजा नोटिस,डिजिटल आईडी परियोजना से जुड़ा है मामला

कोलंबो,27 अगस्त 2025। श्रीलंका की सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके और पूरे मंत्रिमंडल को नोटिस जारी किया है। यह नोटिस भारत की मदद से चल रही श्रीलंका यूनिक डिजिटल आइडेंटिटी (एसएल-यूडीआई) परियोजना को लेकर दाखिल एक याचिका पर जारी किया गया है। यह याचिका पूर्व मंत्री विमल वीरेवांसा ने दाखिल की थी। उनका कहना है कि सरकार का यह फैसला लोगों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। साथ ही, इस परियोजना पर न तो संसद को और न ही आम जनता को ठीक से जानकारी दी गई।

अप्रैल महीने में एमओयू पर किया गया था हस्ताक्षर : बता दें कि इस साल अप्रैल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कोलंबो यात्रा के दौरान भारत और श्रीलंका ने एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे। इसके तहत भारत के बड़े डिजिटल समाधान श्रीलंका को उपलब्ध कराए जाने हैं, ताकि देश में डिजिटल बदलाव की प्रक्रिया को तेज किया जा सके।

क्या है एसएल-यूडीआई परियोजना का उद्देश्य : इस परियोजना का उद्देश्य हर नागरिक को एक सुरक्षित डिजिटल पहचान पत्र देना है, जो भारत के आधार कार्ड की तरह होगा। इसे भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और श्रीलंका के डिजिटल इकोनॉमी मंत्रालय के सहयोग से लागू किया जा रहा है। यह पूरी तरह से भारत की तरफ से दिए गए अनुदान से वित्तपोषित है।

याचिकाकर्ता का दावा- कैबिनेट ने फैसलों में किया बदलाव

लेकिन याचिकाकर्ता विमल वीरेवांसा का आरोप है कि 2022 में भारत के साथ हुआ मूल समझौता श्रीलंका की कैबिनेट ने इस साल जनवरी और जून में किए फैसलों के बाद बदल दिया। इन बदलावों के चलते भारत को परियोजना की मुख्य तकनीकी संरचना पर नियंत्रण मिल गया है। इसमें मास्टर सिस्टम इंटीग्रेटर (एमएसआई) और बायोमेट्रिक डाटाबेस सॉफ्टवेयर (एमओएसआईपी) जैसे अहम हिस्से शामिल हैं।

परियोजना को श्रीलंका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बताया खतरा

उनका कहना है कि यह परियोजना श्रीलंका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन सकती है, क्योंकि नागरिकों का बायोमेट्रिक और व्यक्तिगत डाटा विदेशी कंपनियों या एजेंसियों के पास जा सकता है। और इसके लिए पर्याप्त सुरक्षा उपाय नहीं किए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 17 अक्तूबर को तय की है।

अमेरिका के स्कूल में गोलीबारी तीन की मौत, लगभग 20 लोग घायल

मिनेसोटा,27 अगस्त 2025। अमेरिका के एक कैथोलिक स्कूल में बुधवार को एक अज्ञात द्वारा की गई गोलीबारी के बाद कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई है। गोलीबारी की यह घटना मिनियापोलिस के दक्षिणी इलाके में स्थित स्कूल में हुई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हादसे के दौरान 20 से अधिक लोग घायल भी हो गए हैं। स्थानीय अधिकारियों ने बताया है कि हमलवार को भी मार गिराया गया है। स्थानीय अस्पताल ने गोलीबारी को एक बयान में कहा, हमारी टीमें संकट के समय में प्रतिक्रिया देने के लिए प्रशिक्षित हैं और प्रभावित बच्चों की देखभाल के लिए पूरी तरह तैयार हैं। फिलहाल, छह बच्चे देखभाल के लिए हमारे अस्पताल में भर्ती हैं। हम अपने मरीजों और परिवारों की निजता का सम्मान करते हुए ज़्यादा जानकारी साझा नहीं करेंगे। राष्ट्रपति ट्रंप शूटिंग की घटना को लेकर सोशल मीडिया पर लिखा कि उन्हें इस घटना की पूरी जानकारी दी गई है। एफबीआई के अधिरकारियों ने फौरन कार्रवाई की और वे वहां मौजूद हैं। व्हाइट हाउस हालात पर नजर रख रहा है।

अमेरिकी राजकोष सचिव बोले-भारत-अमेरिका रिश्ते जटिल,अंत में दोनों देश आएंगे साथ

वॉशिंगटन,27 अगस्त 2025। टैरिफ को लेकर जारी तनाव के बीच अमेरिका के राजकोष सचिव (ट्रेजरी सेक्रेटरी) स्कॉट बेसेंट ने बुधवार को कहा कि भारत और अमेरिका के रिश्ते काफी जटिल हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच अच्छे रिश्ते हैं और अंत में दोनों देश साथ आएंगे। बेसेंट का यह बयान ऐसे समय आया, जब राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत पर रूसी तेल की खरीद को लेकर अतिरिक्त 25% टैरिफ लागू कर दिया। जिसके बाद भारत पर कुल 50 फीसदी टैरिफ लग चुका है। एक साक्षात्कार के दौरान बेसेंट ने कहा,यह बहुत जटिल रिश्ता है। राष्ट्रपति (डोनाल्ड) ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी के व्यक्तिगत स्तर पर अच्छे संबंध हैं और यह सिर्फ रूसी तेल के मुद्दे तक सीमित नहीं है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और अमेरिका सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था। मुझे भरोसा है कि आखिर में हम एक साथ आएंगे। मुझे उम्मीद थी कि भारत के साथ व्यापार समझौता अमेरिका का शुरुआती समझौता होगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। भारत ने बहुत पहले ही बातचीत शुरू कर दी थी, लेकिन अब तक डील नहीं हो पाई। मुझे लगा था मई-जून तक समझौता हो जाएगा। बेसेंट ने कहा कि उन्हें लगा था कि भारत के साथ व्यापार समझौता अमेरिका की शुरुआती डील्स में से एक होगा,लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि भारत ने लिबरेशन डे (2 अप्रैल 2025) के तुरंत बाद टैरिफ वार्ता शुरू की थी,जब ट्रंप ने दुनिया भर के देशों पर व्यापक शुल्क लगाने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा,मुझे लगा था मई-जून तक भारत के साथ समझौता हो जाएगा।

सीरिया की राजधानी दमिश्क में इस्राइली ड्रोन से भीषण हमला,छह सीरियाई सैनिकों की मौत

दमिश्क,27 अगस्त 2025। सीरिया की राजधानी दमिश्क के दक्षिणी इलाके में इस्राइली ड्रोन हमलों में छह सीरियाई सैनिकों की मौत हो गई है और कई अन्य घायल हुए हैं। यह जानकारी सीरिया की सरकारी मीडिया और एक युद्ध निगरानी संगठन ने दी। सरकारी टीवी चैनल के अनुसार, दमिश्क के दक्षिणी उपनगर किस्वाह में यह हमला हुआ। यहां हुए हमले में छह सैनिकों की जान गई। वहीं इस हमले पर इस्राइली सेना ने अभी तक कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है।

पिछले हमलों का सिलसिला : दिसंबर 2024 में सीरियाई राष्ट्रपति बशर अल-असद के सत्ता से गिरने के बाद से इस्राइल सीरिया के अलग-अलग हिस्सों में सैकड़ों हवाई और ड्रोन हमले कर चुका है। इन हमलों में सीरियाई सेना की कई संपत्तियां और ठिकाने तबाह हो चुके हैं।

इस्राइल के निशाने पर अहम इलाका : ब्रिटेन में स्थित संगठन सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स (एसओएचआर) ने बताया कि मंगलवार को हुआ हमला दमिश्क और दक्षिणी प्रांत स्वेदा को जोड़ने वाले इलाके पर हुआ। यही स्वेदा पिछले महीने भीषण झड़पों का गवाह बना था, जहां सरकारी समर्थक बंदूकधारियों और द्रूज अल्पसंख्यक लड़ाकों के बीच संघर्ष हुआ था। इस्राइल ने उस संघर्ष में द्रूज लड़ाकों का समर्थन किया था।

द्रूज समुदाय इस्राइल में भी बड़ी संख्या में रहता है और देश की सेना में सक्रिय रूप से शामिल होता है। सीरियन ऑब्जर्वेटरी ने बताया कि इलाके में कई ड्रोन हमले किए गए। एक हमला तो तब हुआ जब बचावकर्मी और एंबुलेंस मौके पर पहुंच चुके थे। कुल छह सैनिक मारे गए और कम से कम तीन लोग घायल हुए।

सत्ता का भूखा है असीम मुनीर,जेल से पूर्व पीएम इमरान खान का पाकिस्तानी सेना प्रमुख पर करारा हमला

लाहौर,27 अगस्त 2025। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान ने जेल से बड़ा हमला बोला है। उन्होंने पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर को सत्ता लोभी बताते हुए आरोप लगाया कि देश में इस समय सबसे खराब तानाशाही चल रही है। 72 वर्षीय इमरान खान पिछले दो साल से कई मामलों में जेल में बंद हैं और इस समय रावलपिंडी की अदियाला जेल में सजा काट रहे हैं। सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में उन्होंने कहा कि सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने देश पर पूरी तरह से कब्जा कर रखा है और वही असली शासक हैं।

9 मई की हिंसा पर निशाना : इमरान खान ने कहा कि 9 मई, 2023 की घटनाओं के लिए उन्हें दोषी ठहराया गया,लेकिन असल जिम्मेदार आसिम मुनीर हैं। उनका दावा है कि मुनीर ने ही उस दिन का पूरा घटनाक्रम रचा और सीसीटीवी फुटेज तक गायब कर दिया। आज 9 मई ही आसिम मुनीर की बीमा पॉलिसी बन गई है।

परिवार पर अत्याचार का आरोप : इस दौरान इमरान खान ने कहा कि उनकी गिरफ्तारी के बाद से उनके रिश्तेदारों तक को नहीं छोड़ा गया। उनके दो भतीजों को अगवा कर लिया गया जबकि उनका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें खुद पूरी तरह एकांत कारावास में रखा गया है, जहां तीन महीने में सिर्फ तीन मुलाकातों की इजाजत मिली। वकीलों और परिवार से मिलने तक पर रोक है। इमरान खान ने यह भी दावा किया कि उनकी पत्नी बुशरा बीबी को पिछले आठ महीनों से अकेलेपन में रखा गया है। उन्हें बिजली के झटके दिए गए।

लोकतंत्र और संस्थाओं पर हमला

पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि पाकिस्तान में कोई हाइब्रिड सिस्टम नहीं है, बल्कि सीधे-सीधे आसिम मुनीर की तानाशाही है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि इसी वजह से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को नहीं, बल्कि सेना प्रमुख मुनीर को आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि देश की संस्थाएं बर्बाद कर दी गई हैं। न्यायपालिका को झुकाया जा चुका है, मीडिया की आवाज दबा दी गई है।

आगामी त्योहारों के मद्देनजर सरगुजा पुलिस द्वारा विभिन्न थाना/चौकी अंतर्गत डीजे संचालकों की ली गई बैठक

बैठक में डीजे संचालकों को डीजे संचालन से पूर्व विधिवत अनुमति प्राप्त करने एवं आवाज़ तय मानकों के आधार पर रखने किया गया निर्देशित

डीजे संचालन के दौरान धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले संगीत ना बजाए जाने हेतु दिए गए स्पष्ट दिशा निर्देश

-संवाददाता-
अंबिकापुर,27 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।

आगामी त्योहारों के मद्देनजर सरगुजा पुलिस द्वारा विभिन्न थाना/चौकी अंतर्गत डीजे संचालकों की बैठक लेकर डीजे संचालको को ध्वनि विस्तारक यंत्रो के उपयोग सम्बन्धी दिशा निर्देश एवं डीजे के उपयोग को कम कर सामान्य साउंड सिस्टम का इस्तेमाल करने की समझाईस दी गई,बैठक के दौरान डीजे संचालकों को किसी भी सामाजिक/धार्मिक आयोजन/कार्यक्रम/रैली/जुलूस आदि में डीजे संचालन से पूर्व विधिवत अनुमति प्राप्त करने पश्चात ही सिस्टम लगाने निर्देशित किया गया, साउंड सिस्टम की आवाज तय मानक 70 डेसीबल के अंतर्गत रखने एवं समय का विशेष ध्यान रखने हेतु रात्रि 10 बजे तक ही ध्वनि विस्तारक यंत्रो का उपयोग करने के दिशा निर्देश दिए गए, डीजे संचालको को रजिस्टर संधारण करने के निर्देश दिए गये जिसमे विधिवत अनुमति एवं नियम शर्तो के साथ डीजे संचालन कराने वाले व्यक्ति का पहचान पत्र एवं अन्य जानकारिया लिखित रूप मे प्राप्त कर रखा जायगा,जिससे आवश्यक होने पर सम्बंधित व्यक्ति एवं संचालक से तत्काल परस्पर सुचना स्थापित की जा सके,बैठक मे तय समय के बाद ध्वनि विस्तारक यंत्रो का उपयोग करने पर वैधानिक कार्यवाही करते हुए जप्ती की कार्यवाही किये जाने की सुचना दी गई। डीजे संचालन के दौरान किसी भी धर्म संप्रदाय एवं धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले संगीत नही बजाने हेतु सभी डीजे संचालको को कड़ी समझाईस दी गई उक्त सभी दिशा-निर्देशों पर सभी डीजे संचालकों ने भी अपनी सहमति प्रदान की एवं नियमों का उल्लंघन होना पाये जाने पर उचित वैधानिक कार्यवाही किये जाने हेतु समझाईस दी गई,बैठक के दौरान प्रशासन एवं पुलिस के अधिकारी/कर्मचारी समेत डीजे संचालक उपस्थित रहे।

विषम्भर यादव ने कि इच्छा मृत्यु की मांग...

पुर्व मुख्यमंत्री भुपेश बघेल से पीड़ित परिवार से जिला के नेता पंकज तिवारी ने कराई बात,, पुर्व मुख्यमंत्री ने कहां बेहतर से बेहतर करायेंगे ईलाज,,

-संवाददाता-
सूरजपुर,27 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।

विगत 02 वर्ष पूर्व प्रधान मंत्री की रायपुर में आयोजित आम सभा में शामिल होने जा रहे बिश्रामपुर मण्डल के कार्यकाताओं का दुर्घटना बेमेतरा के समीप हुआ था जिसमें वाहन चालक सहित 03 लोगो की मृत्यु हो गयी थी। तब तत्कालिन मुख्यमंत्री भुपेश बघेल द्वारा मृतको एवं घायलों को तत्कालिक सहायता राशि उपलब्ध करायी गयी थी। उसी वाहन में भाजपा मण्डल अध्ययक्ष विषम्मर यादव भी मौजुद थे, जिनके कमर में गंभीर चोट लगने से स्थायी रूप से दिव्यांग हो गये 02 वर्षो से शारीरिक परेशानियों से परेशान विषम्भर यादव लगातार अपने ईलाज को लेकर परेशान है अब तक न वर्तमान सरकार द्वारा न संगठन द्वारा उनके ईलाज को लेकर उचित पहल किया गया है ऐसे में विषम्भर यादव द्वारा सरकार से ईच्छा मृत्यु की मांग की गयी है तीज के महत्वपूर्ण त्योहार पर यह समाचार प्रकाशित होना दुर्भाग्यजनक है। छ0ग0 के पूर्व मुख्यमंत्री भुपेश बघेल को जब इस बात की जानकारी हुई तो उन्होने सूरजपुर जिला के कद्दावर नेता पंकज तिवारी से दुरभाष पर चर्चा कर बिषम्भर यादव से एवं उनकी पत्नी से बात करने की ईच्छा जाहिर की जब श्री तिवारी ने बिषम्भर यादव एवं उनकी पत्नी से भुपेश बघेल की बात करायी तो परिवार ने अपने उपर आये संकट से भुपेश बघेल को अवगत कराया भुपेश बघेल ने पीड़ित परिवार को आश्वस्त करते हुए कहा की ईच्छा मृत्यु जैसे बात को परिवार तत्काल वापस ले राजनीतिक मतभेद से उपर उठकर समाज के हर व्यक्ति के स्वस्थ्य होने की कामना हमारी पहली प्राथमिकता है। हम विषम्मर यादव के ईलाज पर जो भी सार्थक प्रयास होगा करने को तैयार है। विषम्भर यादव का परिवार भुपेश बघेल से बात करने के पश्चात ईच्छा मृत्यु वापस लेने को तैयार है। श्री बघेल ने कहा कि भा.ज.पा. के लोग यदि आप के ईलाज को कराने में अक्षम है तो रायपुर में आप जब भी आये हम अच्छे चिकित्सक से बात कर आपके ईलाज को प्राथमिकता देंगे। वहीं विषम्भर यादव से छ.ग. शासन के पूर्व खाद्य मंत्री अमरजीत भगत ने भी दुरभाष पर चर्चा कर ईच्छा मृत्यु वापस लेने की बात कही और भविष्य में परिवार के साथ खड़ा होने का आश्वासन दिया।

ब्राह्मण समाज ने हाथी पखना गणपति धाम में की भगवान गणेश की प्रथम पूजा

महामाया पहाड़ी पर गूंजे जयकारे,परंपरा के निर्वहन के साथ श्रद्धा और आस्था का हुआ शुभारंभ

-संवाददाता-
अंबिकापुर,27 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।

महामाया पहाड़ी स्थित हाथी पखाना गणपति धाम में आज ब्राह्मण समाज के लोगों ने भगवान गणेश की प्रथम पूजा संपन्न की। गणपति धाम में उपस्थित ब्राह्मण समाज के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजन कर वातावरण को भक्ति और आस्था से सराबोर कर दिया। पूरे धाम में जय गणेश देवा के उद्घोष गूंज उठे। इस अवसर पर स्थापना समिति के संरक्षक भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि गणपति धाम में ब्राह्मण समाज द्वारा प्रथम पूजा करने की परंपरा है और आज उसी परंपरा का निर्वहन हुआ है। हाथी पखाना स्थित गणपति धाम केवल पूजा-अर्चना का स्थान ही नहीं बल्कि अंबिकापुर की संस्कृति, आस्था और मान्यताओं का प्रतीक है। समिति के जितेंद्र सोनी ने भी गणपति धाम की महिमा का उल्लेख करते हुए कहा कि यह स्थान श्रद्धा, इतिहास और परंपरा का अनूठा संगम है। यहां हर वर्ष भव्य रूप से गणपति उत्सव का आयोजन होता है और पूरे अंचल के श्रद्धालु यहां दर्शन लाभ लेने पहुंचते हैं। पूजन कार्यक्रम में विशेष रूप से हरमिंदर सिंह टिन्नी, नीलेश सिंह, अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह, कौशलेंद्र पांडेय, श्रीमती रजनी रविशंकर त्रिपाठी, श्रीमती दिव्या सिंह सिसोदिया, श्रीमती अरुणा सिंह, गोल्डी बिहाड़े, सत्येंद्र तिवारी, सुधीर पांडेय, द्वितेन्द्र मिश्रा, जनमेजय मिश्रा, रूपेश दुबे, दीनानाथ तिवारी, अजीत तिवारी, सतीश तिवारी, शिशिर दुबे, मनोज तिवारी, संजीव तिवारी, विनोद तिवारी, संजीव पांडेय, अशोक पांडे, महेंद्र उपाध्याय, ऋषि पांडेय, चन्द्रसेन तिवारी, सत्यम द्विवेदी, राहुल त्रिपाठी, जितेंद्र सोनी, अनीश सिंह, जतीन परमार, मैंगो यादव सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे ।

कालामांजन में कुंवर बस और ओमनी वैन की भीषण टक्कर : एक महिला की मौत,4 घायल

-संवाददाता-
सूरजपुर/ओड़गी,27 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।

बुधवार दोपहर ओड़गी-भैयाथान मुख्य मार्ग पर कालामांजन के आलम घर के पास एक दिल दहलाने वाला हादसा हुआ। तेज रफ्तार कुंवर बस ने सामने से आ रही ओमनी वैन को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वैन में सवार अधेड़ महिला कबूतरी पति मंगल की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में चार अन्य लोग घायल हुए, जिनमें सुशीला पति शिव गंभीर रूप से घायल हैं। उन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ओड़गी से जिला अस्पताल सूरजपुर रेफर किया गया है। अन्य तीन घायलों, जिसमें एक बच्चा शामिल है, को मामूली चोटें आई हैं। हादसा दोपहर करीब 2 बजे हुआ, जब ओड़गी की ओर से आ रही कुंवर बस ने धरसेड़ी की ओर जा रही ओमनी वैन को टक्कर मारी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस की तेज रफ्तार ने वैन को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। ओड़गी थाना पुलिस ने बस चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतक के परिजनों को ग्राम पंचायत धरसेड़ी ने तत्काल 2,000 रुपये की सहायता राशि प्रदान की।

इस दौरान जनपद सीईओ निलेश कुमार सोनी, बलराम सोनी, सचिव करमचंद यादव सहित अन्य लोग मौजूद रहे,जिन्होंने परिवार को सांत्वना दी। हादसे ने क्षेत्र में सड़क सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

गांव की बेटी का सपना साकार किरण बनेगी डॉक्टर,नीट में सफलता कांकेर मेडिकल कॉलेज में हुआ चयन

-संवाददाता-
सूरजपुर,27 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।

जिले के ग्राम पंचायत करतमा की किरण प्रधान ने नीट परीक्षा में शानदार प्रदर्शन कर जिले और विकासखंड का नाम गौरवान्वित किया है। कड़ी मेहनत और लगन से किरण ने गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, कांकेर में प्रवेश हासिल किया है। किरण के पिता उत्तम प्रधान छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल में बस्तर में प्रधान आरक्षक के पद पर तैनात हैं। मेधावी किरण ने 12वीं तक की पढ़ाई विद्या ज्योति सीनियर सेकेंडरी स्कूल, जगदलपुर में पूरी की, जहां वह हमेशा अव्वल रहीं। पिता के प्रोत्साहन और मां आरती प्रधान के सपनों को साकार करते हुए किरण अब डॉक्टर बनने की राह पर हैं।

अथर्व दुबे ने स्वयं निर्मित प्रतिमा से किया गणेशोत्सव का शुभारंभ

-संवाददाता-
सूरजपुर,27 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।

रामानुजनगर - पी एम श्री स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय रामानुजनगर के कक्षा ग्यारहवीं के छात्र अथर्व दुबे (नमन) धार्मिक व सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण में निरंतर योगदान दे रहे हैं। अथर्व दुबे कई वर्षों से स्वयं अपने हाथों से गणेश जी की सुंदर प्रतिमा तैयार करते हैं और विधि-विधान से पूजा अर्चना कर गणेशोत्सव मनाते आ रहे हैं। गणेशोत्सव के इस पावन अवसर पर उनके द्वारा बनाई गई प्रतिमा को देखकर श्रद्धालु भाव विभोर हो जाते हैं। उनकी भक्ति भावना और कला का संगम सामाजिक और सांस्कृतिक चेतना को जाग्रत करने का कार्य कर रहा है। अथर्व दुबे के इस कार्य में उनके पिता श्री ऋषि दुबे और माता श्रीमती आरती दुबे का विशेष सहयोग और आशीर्वाद मिलता है। परिवार के मार्गदर्शन से अथर्व न केवल पढ़ाई में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं बल्कि धार्मिक व सांस्कृतिक आयोजनों में भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। गणेशोत्सव के अवसर पर स्थानीय लोगों ने उनके प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे युवा समाज की परंपराओं को जीवित रखने में प्रेरणा स्रोत बनते हैं।

मंत्री की गैर हाजिरी में मंत्री के पति ग्रामीणों के सामने कर रहे हैं घोषणा,क्या यह भी है संवैधानिक अधिकार?

मंत्री नहीं तो मंत्री के पति की ही घोषणा को अब मानना पड़ेगा?

जन सहयोग से वैकल्पिक मार्ग बनाने की हुई थी शुरुआत तब अचानक मंत्री पति हुए प्रकट,जन सहयोग करने या फिर किरकिरी से बचने?

पुल टूटने के बाद से लेकर वैकल्पिक मार्ग व्यवस्था न बनने तक मंत्री नहीं पहुंची अपने ही विधानसभा के ग्रामीणों तक

मंत्री की गैर हाजिरी में मंत्री पति ने ही संभाल रखा है मोर्चा...उन्हीं की घोषणा पर ग्रामीण करें विश्वास या उनकी घोषणा को ही मंत्री की घोषणा माने?

क्या मंत्री को अपने विधानसभा की जनता के पास नहीं पहुंचना चाहिए...जिनके मतों से आज वह मंत्री हैं उन्हीं के बीच पहुंचने में परहेज क्यों?

-ओंकार पाण्डेय-

सूरजपुर,27 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।

आज की राजनीति में क्या-क्या देखना पड़ रहा है जो आज तक की राजनीति में नहीं देखना पड़ा राजनीति अब सेवा नहीं सिर्फ पूंजीपतियों की कठपुतली बन कर रह गई है यह कहना भी शायद गलत नहीं होगा,राजनीति अब सिर्फ स्वार्थ की हो गई है एक बार मौका मिले और जीवनभर के लिए सुविधा साधन इकट्ठा कर लो यही राजनीति है, यह बात अब आप सोच रहे होंगे कि क्यों हो रही तो यह बात इसलिए हो रही है क्योंकि सूरजपुर जिले में एक महीने पहले गोबरी नदी पर स्थित पुल टूट जाता है और उसे बनाने की प्रक्रिया कछुए की चाल में कागजी की घोड़े के साथ बढ़ता है पर पुल टूटने से जो परेशानी है और जिन्हें परेशानी है वह उस विधानसभा के विधायक व मंत्री की जिम्मेदारी है की समस्या से लोगों को निजात दिलाया जाए, ग्रामीण भी जानते हैं कि इतना बड़ा पुल तत्काल नहीं बन सकता उसके लिए समय लगेगा पर क्या स्थानीय विधायक व मंत्री इसके लिए विकल्प मार्ग भी नहीं बना सकते जिस मार्ग के लिए ग्रामीण 20 किलोमीटर का चक्कर लगा रहे हैं, ग्रामीण जब इस परेशानी से इतना परेशान हो गए की जन सहयोग से वैकल्पिक मार्ग बनाने जुट गए तब अचानक मंत्री के पति प्रकट हो गए और उन्हें लगा कि अब भाजपा के वोट पर सेंध लग जाएगी इसीलिए वह भी जन सहयोग करने वाले ग्रामीणों में क्या शामिल हो गए? उन्होंने ही विकल्प मार्ग के लिए हियूम पाइप गिरवाया और बताया कि हमें ग्रामीणों की चिंता है उनके लिए वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था हम जल्द कर देंगे, पर सवाल यह उठता है कि ग्रामीणों की जन सहयोग करने की सूचना के बाद ही उन्होंने ऐसा निर्णय क्यों लिया? यह निर्णय वह तो पहले भी ले सकते थे पर क्यों नहीं लिया? कहीं उन्हें अपनी आलोचना का डर तो नहीं सताया? एक आश्चर्य की बात यह भी है कि जब से पुल टूटा है और जब से ग्रामीणों का संपर्क कई गांव से टूटे हैं और संपर्क के लिए उन्हें 20 किलोमीटर तक का सफर करना पड़ रहा है, तब से लेकर जन सहयोग के माध्यम से विकल्प मार्ग बनाने तक के निर्णय तक मंत्री के दर्शन उन ग्रामीणों को नहीं हुए, दर्शन और घोषणा हुई भी तो उनके पति यानी कि ठाकुर प्रसाद के द्वारा ही की गई सारी घोषणाएं, उन्हीं के द्वारा की गई और उन्हीं के द्वारा लोगों को आश्वासन मिलता है पर सवाल यह उठता है कि क्या मंत्री की गैर हाजिरी में उनके पति की घोषणा संवैधानिक है?

घोषणा करना संवैधानिक रूप से मंत्री का अधिकार है या फिर उनके प्रतिनिधि पति का?

वैसे मंत्री पति पुल निरीक्षण के लिए पहुंचे और ग्रामीणों द्वारा जारी वैकल्पिक मार्ग निर्माण कार्य का उन्होंने जायजा लिया और उन्होंने वहां कुछ घोषणाएं की,मंत्री पति के द्वारा की गई घोषणा को लेकर वहां उपस्थित लोगों में यह चर्चा सुनी गई कि क्या मंत्री पति को या मंत्री पति को घोषणा करने का अधिकार है क्या वह घोषणा कर सकते हैं। लोगों के अनुसार ऐसा संवैधानिक अधिकार जैसा कोई विषय पहले सामने नहीं आया,वहीं चर्चा यह भी सुनी गई कि हो सकता है कि हाल फिलहाल में कोई नियम ऐसे आए हों जिसके अनुसार मंत्री या विधायक प्रतिनिधि भी मंत्री विधायक की अनुपस्थिति में घोषणा कर सकें और ऐसा अधिकार उन्हें प्रदान किया गया हो,वैसे मंत्री जी साथ ही क्षेत्रीय विधायक का नहीं पहुंचना चर्चा का विषय भी बना रहा ओर लीग यह भी कहते सुने गए कि जनता से दूरी बनाना मंत्री जी को जनता से दूर ही न कर दे और जिसका उन्हें खामियाजा अगले चुनाव में भुगतना पड़ सकता है।

क्या सूरजपुर जिले में राजनीति की उलटी गंगा बह रही है?

मंत्री जी की जगह उनके प्रतिनिधि पति ज्यादातर काम मंत्री जी का सम्भाल रहे हैं,यह मामला सूरजपुर जिले के भटगांव विधानसभा का है,घोषणाएं भी मंत्री पति प्रतिनिधि बतौर कर रहे हैं लगातार,ऐसा देखकर सुनकर यह सवाल उठता है कि क्या सूरजपुर जिले में अलग की और उल्टी गंगा बह रही है,मंत्री जी का जनता से सीधा जुड़ाव कम जनता का सीधा जुड़ाव मंत्री पति जो उनके प्रतिनिधि हैं उनसे होता नजर आ रहा है। अब यदि प्रतिनिधि या पति ही सर्वेसर्वा हैं तो फिर मंत्री जी को सारे काम का जिम्मा उन्हें ही दे दिया जाना चाहिए ऐसी भी चर्चा होती रहती है।

भटगांव विधायक के रिश्तेदार भी अब मंत्री हैं?

भटगांव विधायक के बारे में एक और जन चर्चा सुनी जा रही है,जन चर्चा अनुसार उनके रिश्तेदार भी मंत्री से खुद को कम नहीं समझते, कोरिया जिले में भी उनके रिश्तेदार हैं जो उनके नाम का सहारा लेकर रुतबा बताते रहते हैं। बताया जाता है कि कई रिश्तेदार मंत्री जी के नाम से कार्यालयों में प्रभाव जताते सुने जा रहे हैं।

जिनके मतों से चुनाव जीत सकीं उन्हीं के बीच मंत्री जी को जाना क्या नहीं पसंद...मतदाताओं ने वोट लक्ष्मी राजवाड़े को दिया था ना कि उनके पति को?

राष्ट्रीय राज्यमार्ग से भटगांव विधानसभा के कई गांव को जोड़ने वाले पुल के धराशाई होने से हजारों लोग मुख्य मार्ग से कट गए और उन्हें आवागमन में कठिनाई का सामना करना पड़ा और 20 किलोमीटर का उनके लिए किसी भी गंतव्य के लिए सफर बढ़ गया,इस बीच पुल के धराशाई होने से लेकर आवागमन के लिए ग्रामीणों द्वारा वैकल्पिक तैयारियों के बीच भटगांव विधायक साथ ही मंत्री पुल का जायजा लेने नहीं पहुंची और न उन्होंने यह जानने का प्रयास किया कि पुल से जिन्हें सुविधा थी उनका क्या हाल है,जब ग्रामीणों ने खुद वैकल्पिक मार्ग के लिए प्रयास शुरू किया तब मंत्री पति मौके पर पहुंचे और उन्होंने कुछ घोषणा कर दी। अब सवाल यह है कि जिन लोगों के मतों से मंत्री जी विधायक बनी और जिनकी बदौलत उन्हें मान सम्मान मिला क्या उनके बीच उनके दुख तकलीफ समस्याओं में मंत्री जी को जाना पसंद नहीं,वहीं मंत्री जी के पति का मौके पर जाना और घोषणा करना कितना सही है,क्योंकि लोगों ने चुनाव मंत्री जी को जिताया न की उनके पति को और जिन्होंने मत देकर अपना विधायक चुना मंत्री जी को वह मंत्री जी को प्रत्यक्ष अपने बीच पाते तो शायद वह ज्यादा प्रसन्न होते। खैर अब राजनीति में सब कुछ जायज की परम्परा चल चुकी है और अब ऐसे विषयों को लेकर लोग भी मान चुके हैं कि अब जिन्हें वह चुनते हैं वह उनके साथ हर समय खड़े नहीं होंगे कई बार उनके प्रतिनिधि से भी काम चलाना होगा वरना जो लाभ मिल सकता है वह भी इंतजार करते मिलेगा नहीं।

खुलेआम परमिट शर्तों का हो रहा है उलंघन

पहिया उठाकर राजस्थान ट्रांसपोर्ट जीके एसोशिएट के ट्रेलर सड़कों पर दौड़ रहे हैं?

-ओंकार पाण्डेय-

खड़गवां,27 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।

माल वाहक ट्रेलरों से करोड़ों की लागत की सड़कें टूट रही है ? जिले में यातायात नियमों का अनुपालन को लेकर माल वाहक ट्रेलर ट्रांसपोर्टों की मनमानी खुलेआम चल रही है रानी अटारी से चिरमिरी में कोयला परिवहन में लगे हुए इस ट्रांसपोर्टों के राजस्थान ट्रांसपोर्ट और जी के एसोशिएट के ट्रेलरों के द्वारा पहियों उठाकर चलाया जा रहा है। वाहनों के पहियों को उठाकर चलने इसका दुष्परिणाम सड़कों पर पढ़ रहा है जिससे सड़के टूट रही है । आपको बता दें वाहनों के पहियों के अनुरूप लोडिंग क्षमता तय की जाती है और क्षमता के अनुरूप वाहनों में लोडिंग दिया जाता है लेकिन ट्रांसपोर्टों के द्वारा पहियों के हिसाब से लोडिंग भरपूर लिया जाता है और सड़क पर जाते ही एक्सेल को उठा दिया जाता है ट्रांसपोर्टर द्वारा एक्सेल को उठाने से चार चको की घिसाई से बचा लिया जाता है या यू कहें हजारों रुपए के कीमती टायर को बचाने के लिए करोड़ों रुपए की सड़कों को खुलेआम नुकसान पहुंचाया जा रहा है इसी तरह ट्रैकों में दो चाको को उठाकर चलाया जा रहा है। आपको इसका एक उदाहरण बताते हैं इस तरह के माल वाहक वाहनों की लोडिंग पर वहां के परिवहन के दौरान नियंत्रण सहित सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए वाहन और सड़क दोनों की सुरक्षा का ख्याल रखा जाता है लोड शेयरिंग होने से माल वाहक का भार सीधे सड़क पर नहीं पड़ेगा या यू कहे वहां के क्षेत्रफल के अनुसार बट जाता है और सड़क पर नुकसान नहीं होता है इसका दूसरा फायदा परिवहन के दौरान नियंत्रण पर होता है यदि चालक वहां का पहिया उठाकर नहीं चलता है तो चलते हुए वहां के नियंत्रण काफी मदद मिलती है। लेकिन जिले में इस तरह के वाहनों से खुले आम परिवहन हो रहा है इस पर केवल औपचारिक करवाई की जा रही है एमसीबी जिले के रानीअटारी से खड़गवां होते हुए चिरमिरी में कोयले से लदी ओवर लोड टेलर वाहन से अधिकांश कोयला परिवहन सड़कों के माध्यम से किया जा रहा है लेकिन परिवहन विभाग और यातायात पुलिस एवं जिम्मेदार विभाग के अधिकारी कर्मचारी के हाथ पैर क्यों फूल रहे हैं इस तरह के वाहनों पर कार्यवाही क्यों नहीं की जाती शायद हम कुछ गलत कह गए और यदि ऐसी कोई बात नहीं है तो सड़कों पर दौड़ रहे वाहनों के इन पहियों को ध्यान से देखिए जो इसको प्रमाणित कर रहे हैं। इस संबंध पर परिवहन विभाग से प्राप्त जानकारी में बताया किसी भी वहां को क्षमता के अनुरूप लोड लेने के बाद परिवहन के दौरान पहिया को उठाकर परिवहन करना गलत है और यदि 18 चक्की वाली ट्रेलर में चार पहियों को उठाकर परिवहन किया जाता है तो इन गाड़ियों को 14 चक्की के क्षमता के अनुरूप परिवहन करने वाला वहां मानते हुए अतिरिक्त भर को ओवरलोड मानते हुए कड़ी कार्यवाही का प्रावधान है

अब देखना है कि इस समाचार को प्रकाशन के बाद इस मामले को लेकर परिवहन विभाग के जिम्मेदार अधिकारी इस पर किस तरह की कार्यवाही करते हैं या पूर्व की भांति ट्रांसपोर्टों की मनमानी करने की खुली छूट देते हैं ट्रांसपोर्टों की मनमानी जारी रहेगी तो करोड़ों रुपए की लागत की बनी सदके टूटती रहेगी और दुर्घटनाएं होती रहेंगे।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा.प्र.क्र. /अ-27/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजेन्द्र दुबे आ. बचाउ दुबे व अन्य,निवासी नमनाकला, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ.ग. के द्वारा ग्राम नमनाकला स्थित खसरा नंबर 295/26 रकबा 0.020 हे0 भूमि को उभयपक्ष के मध्य में 1/4 अंश में बटवारा किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है ! उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 15/09/2025 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक 12/08/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — तहसीलदार, तहसील अम्बिकापुर. सरगुजा (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक एवं दण्डाधिकारी प्रतापपुर, जिला-सूरजपुर

ईश्तहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक चम्पा, पति अशोक जाति गोंड़ निवासी ग्राम/नगर -प्रतापपुर तहसील- प्रतापपुर जिला -सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा अपने पुत्र भोला पिता अशोक का मृत्यु दिनांक 12/01/2025 का मृत्यु प्रमाण पत्र पंजीयन बावत् ग्राम पंचायत प्रतापपुर का अनुपलब्धता प्रमाण पत्र आवेदक अपना शपथ पत्र प्रस्तुत करते हुए आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः इसमें किसी को कोई आपत्ति हो दावा हो, तो वह अपना लिखित आपत्ति दिनांक 04.09.2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है, अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति दावा मान्य नहीं किया जावेगा। आवेदक ईस्तहार का प्रकाशन समाचार पत्रों में प्रकाशन करा कर इस समाचार प्रकाशन व दिनांक की सूचना इस न्यायालय मे प्रस्तुत करें ताकि समय पर पंजीयन हेतु ज्ञापन जारी किया जा सके।

आज दिनांक 19.08.2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की पदमुद्रा से उद्घोषणा जारी किया गया।

सील — तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी प्रतापपुर, सूरजपुर (छ.ग.)

कार्यालय नायब तहसीलदार बैकुण्ठपुर जिला कोरिया (छ0ग)

ई- कोड क्र..../अ-6/2025

ईश्तहार

सर्व साधारण ग्राम मण्डलपारा राजस्व निरीक्षक बड़गांव तहसील बैकुण्ठपुर जिला कोरिया छ0ग0 तथा हितबद्ध पक्षकारों को सूचित किया जाता है कि आवेदक कुंज बिहारी आ0 स्व. गंगाराम उम्र 40 वर्ष जाति बरगाह अहीर ग्राम मण्डलपारा थाना व तहसील बैकुण्ठपुर जिला कोरिया छ0ग0 के द्वारा आवेदन पेश किया है कि मेरे पिता गंगाराम पिता रामनारायण की मृत्यु दिनांक 31.05.2025 को हो गया है। जिनके नाम पर ग्राम मण्डलपारा तह बैकुण्ठपुर में ख. नं. 190 / 5, 202/5,202/7. 213/5, 235 / 5, 257/3, 273 /5 कुल रकबा 2.1140 हे0 एवं ग्राम मझगवां में ख. नं. 307/3, 307 / 7. 307 / 12 कुल रकबा 0. 5530 हे0 भूमि स्थित है। मेरे पिता के मृत्यु पश्चात मै अपना व अपने पिता के वारिसान कुंज बिहारी, फुलबसिया, परमेश्वर यादव आ0 स्व. गंगाराम का नाम फौती नामान्तरण कराना चाहता हूँ। आवेदक ने आवेदन पत्र के साथ आधार कार्ड, शपथ पत्र, खसरा बी 1 नक्शा, मृत्यु प्रमाण पत्र संलग्न किया है।

उक्त संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वे दिनांक 0.5 /09/2025 तक स्वयं या अपने प्रतिनिधि अथवा अभिभावक के द्वारा इस न्यायालय में आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई बिचार विमर्श नही किया जावेगा।

सील — तहसीलदार बैकुण्ठपुर, जिला कोरिया

न्यायालय तहसीलदार पटना जिला-कोरिया (छ0ग0

रा.प्र.क्र. /अ-121/2024-25

ईश्तहार

एतद्र द्वारा समस्त ग्रामीण जनता नगर पंचायत पटना को सूचित किया जाता है कि आवेदिका सुषमा श्रीवास्तव पति श्री सुरेश श्रीवास्तव जाति कार्यरत निवासी ग्राम पटना थाना व तहसील पटना जिला - कोरिया के द्वारा अपने स्वत्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम पटना तहसील पटना स्थित व्यपवर्तित भूमि ख0नं0 435 / 4 रकबा 0.020 हेतु व उस पर निर्मित मकान को अपने मूल निवास ग्राम काजीहद तहसील मणीयाद् जिला जौनपुर (उ0प्र0) में निवास करने के कारण भूमि को केता अनावेदक आयुष कुमार गुप्ता आए श्री रविशंकर गुप्ता जाति वैश्य निवासी बाजारपारा पटना थाना व तहसील पटना जिला कोरिया के पास भूमि विक्रय करना चाहती है। आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र, खरारा बी 1 नक्शा, वर्ष 1947 48 मिसल की प्रति संलग्न किया गया है। जिस किसी हितबद्ध पक्षकार को उक्त भूमि विकय की अनुमति के संबंध में कोई आपत्ति हो तो वह अपना आपत्ति स्वयं अथवा अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 11/09/2025 तक उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है, नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा । तदनुसार कार्यवाही कर दी जावेगी । आज दिनांक 25/08/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा रो जारी किया गया ।

सील — तहसीलदार, तहसील-पटना,कोरिया

तत्कालीन प्राचार्य की लापरवाही से अग्रणी महाविद्यालय रामानुज प्रताप सिंहदेव के हक की जमीन पुलिस अधीक्षक कार्यालय के लिए हुई आबंटित

जनप्रतिनिधियों को भी नहीं दिखा कि जहां शिक्षा का हब है वहां पुलिस अधीक्षक कार्यालय बनाना सही नहीं होगा

लॉ कॉलेज व महाविद्यालय के स्टाफ क्वाटर कहां बनेंगे?

महाविद्यालय के बिना अनुमति के लिया गया निर्णय,आपत्तियां तो हुई लेकिन आपत्तियों का कोई असर नहीं हुआ

कई सरकारी जमीन है जिसके बावजूद महाविद्यालय प्रांगण में कार्यालय बनाना और महाविद्यालय की जमीन को कम करना उच्च शिक्षा के लिए सही नहीं

क्या सेवानिवृत्त प्रभारी प्राचार्य अपनी जमीन बनाने में थे व्यस्त,इस वजह से महाविद्यालय की भूमि नाम नहीं हुई?

अविभाजित मध्यप्रदेश व अविभाजित सरगुजा के समय के बैकुंठपुर महाविद्यालय की पुरानी भवन अन्य विभाग को देने की तैयारी

जिस पुरानी महाविद्यालय भवन की जमीन वर्तमान महाविद्यालय के नाम होने का आदेश 1986 में किया गया,वह जमीन महाविद्यालय के नाम क्यों नहीं हुई?

पुराने प्राचार्य की लापरवाही व वर्तमान प्राचार्य की उदासीनता की वजह से महाविद्यालय की जमीन किसी और विभाग को हो गई आवंटित

वर्तमान प्राचार्य ने भूमि का आवंटन अन्य विभाग को करने से रोकने का किया है निवेदन पर कोई फर्क नहीं पड़ा

अग्रणीय महाविद्यालय रामानुज प्रताप सिंह देव का इतिहास पर भरी पड़ा हाईटेक पुलिस अधीक्षक कार्यालय

अग्रणीय महाविद्यालय रामानुज प्रताप सिंह देव की शुरुआत 1982 में हुई थी,जिस समय अभिभाजित मध्य प्रदेश राज्य था? और जिला सरगुजा था। इस महाविद्यालय को लगभग 43 वर्ष हो चुके हैं, यह महाविद्यालय अक्टूबर 1982 में बीटीआई बिल्डिंग में संचालित हो रहा था। 1999 तक यह महाविद्यालय इस भवन में संचालित होता रहा। इसके बाद उस भवन में मॉडल स्कूल संचालित होने लगा,क्योंकि उस समय महाविद्यालय की अपनी खुद की भवन बन गई थी,जब मॉडल स्कूल वहां से बंद हुआ,फिर वह भवन महाविद्यालय के पास उसी के प्रांगण में रही और वहां पर महाविद्यालय की कुछ कक्षा लगती रही,जो आज भी लग रही है। उस भवन में मरम्मत कार्य भी समय समय पर होती रही महाविद्यालय के पैसे से। उस भवन का कई बार मरम्मत कार्य किया गया। वह भवन महाविद्यालय के अधीन थी और उस जमीन को भी महाविद्यालय के नाम करने के लिए 1986-87 में प्रक्रिया शुरू हो गई थी। अंतिम दौर में वह सिर्फ महाविद्यालय के नाम होना था पर महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य जिन्होंने 26 साल तक इस महाविद्यालय की कुर्सी पर सुशोभित रहे,उन्होंने इस जमीन को महाविद्यालय के नाम नहीं करा पाए और अब वर्तमान प्राचार्य भी उस जमीन को महाविद्यालय के नाम कराने में दिलचस्पी नहीं ले रहे हैं। जिस वजह से महाविद्यालय के नाम पर जो जमीन हस्तांतरित होनी थी,वह जमीन अब दूसरे विभाग के नाम हस्तांतरित करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। जिससे महाविद्यालय को काफी नुकसान होगा। जहां सभी जिले के महाविद्यालय के पास जमीन पर्याप्त है, वहीं इस जमीन के दूसरे विभाग को हस्तांतरण होने से कोरिया जिले के इकलौते अग्रणी महाविद्यालय की जमीन कम हो जाएगी और आने वाले समय में मिलने वाले सुविधा भी महाविद्यालय से छीन ली जाएगी। पर इस बात पर किसी का भी ध्यान नहीं है, और महाविद्यालय की जमीन किसी और विभाग को देने में मौन स्वीकृति दी जा रही है। जिसके लिए उच्च शिक्षा विभाग व अग्रणी महाविद्यालय के वर्तमान प्राचार्य को विचार करना होगा,क्योंकि आगामी समय में महाविद्यालय को जमीन की आवश्यकता होगी और महाविद्यालय की जमीन कम पड़ेगी। महाविद्यालय में कई कक्षाएं और बढ़ानी है उसके लिए भी जमीन की आवश्यकता होगी। ऑडिटोरियम से लेकर कई सुविधाएं महाविद्यालय में और आवश्यक है,जो वहां पर होना है। यदि यह जमीन नियम विरुद्ध तरीके से किसी और विभाग को हस्तांतरित की जाएगी तो महाविद्यालय को नुकसान होगा। क्योंकि यह जमीन पहले से ही महाविद्यालय को हस्तांतरित करने की प्रक्रिया हो रही थी।

महाविद्यालय की भूमि अन्य विभाग को आवंटित,आने वाले समय में अन्य संकायों के खुलने से भवन के लिए भूमि कहां से आएगी

स्वर्गीय रामानुज प्रताप सिंह देव महाविद्यालय कोरिया जिले का अग्रणी महाविद्यालय है,और कोरिया जिले के छात्र-छात्राओं और युवाओं की प्रारंभिक स्कूली शिक्षा के बाद एकमात्र उच्च शिक्षा का शासकीय केंद्र है। अविभाजित मध्य प्रदेश के समय से ही और अविभाजित सरगुजा जिले के समय से वर्तमान तक हजारों क्षेत्र वासियों ने इस महाविद्यालय से शिक्षा ग्रहण की है। बावजूद इसके अभी तक यह महाविद्यालय कई मायनों में अपूर्ण है। अभी भी कई विभिन्न विषयों की स्नातकोत्तर कक्षाओं का यहां अभाव है, जिसके लिए भविष्य में संभावना बनी हुई है। यदि इन कक्षाओं का संचालन प्रारंभ होगा तो महाविद्यालय को इनके संचालन के लिए अतिरिक्त कक्ष और भवन की आवश्यकता पड़ेगी। इसके साथ ही विज्ञान संकाय के कक्षाओं के विस्तार में प्रयोगशाला भवन, विभिन्न गतिविधियों को संचालित करने के लिए ऑडिटोरियम वगैरह के निर्माण की आवश्यकता पड़ेगी। इस दशा में अन्य जिलों के शासकीय अग्रणी महाविद्यालयों की तुलना में वैसे भी बैकुंठपुर महाविद्यालय में भूमि की पर्याप्तता नहीं है,यदि पूर्व में पदस्थ रहे यहां के प्राचार्यों की गलती के कारण महाविद्यालय से संबंधित भूमि अन्य विभाग को आवंटित कर दी जाती है, तो निश्चय ही महाविद्यालय प्रशासन को भविष्य में बेहद कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है।

-जिला प्रतिनिधि-
कोरिया,27 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले में 27 साल बाद खुद का साथ ही हाईटेक पुलिस अधीक्षक कार्यालय पुलिस विभाग को मिलेगा यह 27 अगस्त 2025 को नए निर्मित होने जा रहे पुलिस अधीक्षक कार्यालय के भूमिपूजन के बाद तय हो गया,जिला गठन से लेकर आज तक यह कार्यालय राजस्व विभाग के एक भवन में संचालित था और वहीं से 27 सालों तक जिले की कानून व्यवस्था संचालित होती रही,नए पुलिस अधीक्षक कार्यालय के भूमिपूजन को ऐतिहासिक एक उपलब्धि बताते हुए जिले के आला अधिकारियों सहित जनप्रतिनिधियों ने अपनी पीठ थपथपाई वहीं इस बीच एक विषय इस भूमिपूजन आयोजन के दौरान हाशिए पर चला गया जो जिले की उच्च शिक्षा और उच्च शिक्षा विभाग की सहूलियत और उसके विस्तार का विषय था। नया पुलिस अधीक्षक कार्यालय जिस भूमि पर बनने जा रहा है वह भूमि उच्च शिक्षा विभाग या जिले के अग्रणी महाविद्यालय के लिए उपयोगी भूमि थी और जिसमें पहले जिले का आदर्श विद्यालय संचालित था जिसके जमनीपारा गांव में स्थानांतरित किए जाने के बाद यह भूमि जिस पर भवन बने हुए थे वहां भवन हटाकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय बनाए जाने की अब तैयारी है,जिस भवन में मरम्मत उपरांत कक्षाएं संचालित किए जाने और संकाय और कई अन्य कक्षाओं के विस्तार की संभावना थी जो संभावनाएं अब शून्य हो गईं। नए पुलिस अधीक्षक कार्यालय निर्माण की उपलब्धि तो नेता अधिकारी बता गए लेकिन उन्होंने यह बात नहीं बताई कि भविष्य में जब छात्र संख्या संकाय और कक्षाएं बढ़ेगी महाविद्यालय में तब भवन की आवश्यकता होने पर उनका निर्माण कहां होगा और कैसे महाविद्यालय का विस्तार हो सकेगा। वहीं महाविद्यालय के अधिकारियों कर्मचारियों के आवास जो वहां बने हुए थे वह भी अब वहां से हटाए जाएंगे और महाविद्यालय के अधिकारी कर्मचारी अब कहां रहेंगे यह भी ध्यान नहीं रखा गया। कुल मिलाकर नए पुलिस अधीक्षक कार्यालय के लिए भूमि उपलब्ध कराने महाविद्यालय के समीप की वह जमीन अधिग्रहण की गई जो कहीं न कहीं शिक्षा हब बन सकने वाले जिले के अग्रणी महाविद्यालय के हिसाब से सही नहीं है। वैसे ऐसा नहीं है कि महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य ने प्रयास नहीं किया जमीन पुलिस अधीक्षक कार्यालय के लिए आवंटित होने से रोकने के लिए उन्होंने पत्राचार किया लेकिन उनके पत्र विलंब से प्रयास साबित हुए और पूर्व प्राचार्य की उदासीनता के कारण महाविद्यालय के बगल की उक्त भूमि अब पुलिस अधीक्षक कार्यालय के लिए आवंटित हो गई। 26 साल तक जिले के अग्रणी महाविद्यालय के प्राचार्य रहे प्रभारी प्राचार्य ने दूरदर्शिता दिखाई होती आज महाविद्यालय के समीप की उक्त भूमि पर पुलिस अधीक्षक कार्यालय नहीं बनता ऐसा लोगों का मानना है। 26 सालों तक अपनी जमीनी संपत्ति में वृद्धि करने में जुटे रहे प्रभारी प्राचार्य ने अपनी उदासीनता से महाविद्यालय का भविष्य में होने वाला विस्तार प्रभावित किया ऐसा कहना गलत नहीं होगा। वैसे पुलिस अधीक्षक कार्यालय के निर्माण के लिए राशि बहुत पहले आवंटित हुई थी और इस बीच चेर में भूमि आबंटित भी हुई थी लेकिन चेर में आवंटित हुई जमीन पर या तो विवाद का मामला सामने आया या फिर वह पसंद नहीं आया और फिर नए जमीन की तलाश शुरू हुई जो महाविद्यालय के पास मिल गई और वहां नए कार्यालय के लिए भूमिपूजन किया गया।

एक प्रभारी प्राचार्य ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय को किए जा रहे भूमि आबंटन का किया था विरोध, विरोध नहीं आया काम

26 साल तक प्रभारी प्राचार्य रहे सेवानिवृत्त प्राचार्य ने भले ही महाविद्यालय के लिए दूरदर्शी सोच नहीं रखी लेकिन एक प्रभारी प्राचार्य ने अपने अल्प कार्यकाल में इस मामले में अपनी दूरदर्शिता दिखाई थी और उन्होंने एक पत्र लिखकर इसका विरोध इस तरह किया था कि ऐसा किया जाना महाविद्यालय के विस्तार को कक्षाओं और संकाय के विस्तार को प्रभावित करेगा। उक्त प्रभारी प्राचार्य के निवेदन पत्र पर भले ही जिला प्रशासन ने विचार नहीं किया लेकिन उक्त प्राचार्य ने अपनी दूरदर्शिता अवश्य दिखाई थी और उन्होंने यह साबित किया था कि वह उच्च शिक्षा और जिले के अग्रणी महाविद्यालय के लिए कितने गंभीर हैं और उन्हें आभास है कि महाविद्यालय परिसर की भूमि का पुलिस अधीक्षक कार्यालय के लिए आबंटन भविष्य में महाविद्यालय के लिए उसके विस्तार के लिए भूमि समस्या उत्पन्न करेगा तब भूमि की उपलब्धता नहीं हो सकेगी। वैसे विधि संकाय सहित कई संकाय प्रस्तावित हैं महाविद्यालय के लिए और कई स्नातकोत्तर कक्षाएं भी जारी हो सकती हैं वहीं भविष्य में छात्र संख्या बढ़ने पर भी भवन की समस्या हो सकती है।

आदर्श विद्यालय था भवन में संचालित जिस भवन को हटाकर बनेगा पुलिस अधीक्षक कार्यालय

जिस भवन को हटाकर या जिस भूमि पर अब पुलिस अधीक्षक कार्यालय बनेगा उक्त भूमि पर बने भवन में पहले आदर्श विद्यालय संचालित था,आदर्श विद्यालय चूंकि अब अन्य पिछड़ा वर्ग छात्र छात्राओं के लिए बने छात्रावास भवन में संचालित किया जा रहा है इसलिए यह भवन खाली था और जिस भूमि का आबंटन अब पुलिस अधीक्षक कार्यालय के लिए किया गया है,वैसे सवाल यह भी है कि यदि अन्य पिछड़ा वर्ग से आने वाले छात्र छात्राएं कभी अपने लिए बने छात्रावास भवन की मांग की वहां रहने की मंशा जताई तब आदर्श आवासीय विद्यालय के छात्र छात्राओं को कहां रखा जाएगा और उनकी कक्षाएं कहां संचालित की जाएगी?

महाविद्यालय के नाम से करने के लिए आदेश भी जारी किया गया था,लेकिन प्राचार्य की लापरवाही के कारण यह नही हो सका

1982 से बीटीआई के नाम से संचालित महाविद्यालय परिसर की वर्तमान भूमि को महाविद्यालय के नाम से राजस्व दस्तावेजों में अंकित करने के लिए तत्कालीन सरगुजा अपर कलेक्टर के न्यायालय में सन 1985 में प्रकरण दर्ज हुआ था। विधि सम्मत कार्यवाही के बाद 1986-87 में इस भूमि को महाविद्यालय के नाम अंकित करने संबंधी अपर कलेक्टर न्यायालय से आदेश भी जारी हुआ था। इस आदेश के जारी होने के उपरांत केवल औपचारिकता शेष बाकी रह गई थी, भूमि को महाविद्यालय के नाम राजस्व दस्तावेजों में अंकित करने के लिए। परंतु इसे विडंबना कहें या घोर लापरवाही की तत्कालीन प्राचार्य ने और सबसे लंबे समय तक इस महाविद्यालय के प्राचार्य बने रहने के रिकॉर्ड धारी व्यक्ति ने इस महत्वपूर्ण कार्य पर अपनी कोई संवेदनशीलता नहीं दिखाई। परिणाम स्वरूप आज आलम यह है कि इस भूमि को पुलिस विभाग को आवंटित करने के लिए लगभग सारी औपचारिकताएं पूर्ण कर ली गई हैं। और यदि यह भूमि अन्य विभाग को आवंटित हो जाता है तो निश्चित है कि महाविद्यालय प्रशासन पर यह स्वयं के द्वारा किया गया कुठाराघात होगा।

अग्रणी महाविद्यालय के इस गंभीर मसले पर अभी तक किसी समाजसेवी या राजनीतिज्ञ की कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है सामने

कोरिया जिला के बैकुंठपुर और उसके आसपास के कई किलोमीटर के दायरे में रचे बसे लोगों की शिक्षा दीक्षा का एकमात्र समीपस्थ माध्यम रहा स्वर्गीय रामानुज सिंहदेव अग्रणी महाविद्यालय बैकुंठपुर से संबंधित भूमि के इस प्रकरण को लेकर अभी तक क्षेत्र के किसी भी समाजसेवी, शिक्षाविद और राजनीतिज्ञों की किसी भी प्रकार की प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। इस मामले में अभी तक सभी उदासीन बने हुए हैं, जो की आश्चर्य का विषय है। क्योंकि अधिकांश समाजसेवी, शिक्षाविद, और राजनीतिज्ञ इसी महाविद्यालय की शिक्षा दीक्षा का परिणाम हैं। इनके द्वारा तो उस व्यक्ति से भी सवाल पूछे जाने चाहिए, जिसने सबसे लंबे समय तक प्राचार्य और प्रभारी प्राचार्य का दायित्व इस महाविद्यालय में संभाल रखा था। आखिर क्यों इतने लंबे समय तक उनके द्वारा इस भूमि को महाविद्यालय के नाम अंकित करने के लिए कोई पहल नहीं की गई। यह तो हो ही नहीं सकता कि यह मामला उनके संज्ञान में ना रहा हो।

26 साल महाविद्यालय के प्राचार्य रहे प्रभारी प्राचार्य की उदासीनता आज महाविद्यालय के भविष्य के विस्तार को हाशिए पर डाल गई

महाविद्यालय के 26 साल तक प्राचार्य रहे सेवानिवृत्त हो चुके प्रभारी प्राचार्य ने महाविद्यालय के लिए उसके विस्तार के लिए कोई व्यक्तिगत प्रयास नहीं किए,उन्होंने महाविद्यालय के विस्तार या उसके भूमि जो भविष्य में विस्तार के लिए काम आता को लेकर उदासीनता ही बरती जिसका परिणाम यह हुआ कि महाविद्यालय से लगी हुई जमीन पुलिस अधीक्षक कार्यालय के लिए आबंटित हो गई,महाविद्यालय के विस्तार और महाविद्यालय के अधिकारी कर्मचारी आवास के लिए अब भूमि की उपलब्धता कम से कम महाविद्यालय परिसर में नहीं है, कुल मिलाकर एक उदासीनता के कारण महाविद्यालय के अपने हिस्से की जमीन अब पुलिस अधीक्षक कार्यालय के लिए आवंटित हुई जिस पर भूमिपूजन हो गया जो मामला ऐतिहासिक भी घोषित किया जा चुका।वैसे तत्कालीन प्रभारी प्राचार्य को इसका अवसर मिला था कि वह उक्त भूमि को महाविद्यालय के लिए आबंटित करा लें लेकिन उन्हें शायद फुर्सत नहीं मिली और आज परिणाम सामने है जमीन पुलिस अधीक्षक कार्यालय के लिए आबंटित हो गया।

भारत कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की दावेदारी करेगा

कैबिनेट की मंजूरी,31 अगस्त डेडलाइन,मेजबानी मिलेगी या नहीं फैसला नवंबर में

नई दिल्ली, 27 अगस्त (ए)। भारत 2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी अहमदाबाद में करने के लिए दावा पेश करेगा। बुधवार को केंद्रीय कैबिनेट ने बिडिंग प्रपोजल को मंजूरी दे दी है। इससे पहले 14 अगस्त को भारतीय ओलिंपिक एसोसिएशन ने इसे मंजूरी दी थी। अब भारत को 31 अगस्त तक फाइनल बिडिंग प्रपोजल देना होगा। नवंबर के आखिर में यह फैसला होगा कि मेजबानी मिलेगी या नहीं। कनाडा के रेस से बाहर हो जाने के बाद भारत के लिए 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी पाने की संभावनाएं बढ़ गई हैं। पिछले महीने कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के डायरेक्टर डैरेन हॉल की लीडरशिप में एक टीम ने अहमदाबाद में मौजूद आयोजन स्थलों का दौरा किया था। साथ ही गुजरात सरकार के अधिकारियों से मीटिंग भी की थी। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट वह संस्था है जो किसी देश को मेजबानी देने का फैसला करती है।

कॉमनवेल्थ गेम्स बिडिंग प्रोसेस के लिए स्टेप्स

- गेम्स होस्ट करने को इच्छुक शहर (देश) को कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के पास आवेदन करना होता है।
- इसके बाद उस देश की नेशनल ओलिंपिक कमेटी प्रस्ताव को मंजूरी देती है।
- देश की सरकार से मंजूरी मिलने के बाद फाइनल बिडिंग करनी होती है।
- कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के अधिकारी होस्ट सिटी और वेन्यू का इंस्पेक्शन करते हैं।
- सभी दावेदार शहरों का इंस्पेक्शन करने के बाद कॉमनवेल्थ स्पोर्ट की जनरल असेंबली फाइनल होस्ट का नाम घोषित करती है।

पिछले साल 2036 ओलिंपिक के लिए दावेदारी की थी

भारत 2036 ओलिंपिक गेम्स की मेजबानी की तैयारी भी कर रहा है। पिछले साल नवंबर में भारत ने इसकी मेजबानी हासिल करने के लिए दावेदारी पेश की थी। 2032 तक के ओलिंपिक मेजबान तय हो चुके हैं। 2032 की मेजबानी ऑस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन शहर को दी गई है। जबकि 2028 के ओलिंपिक लॉस एंजिलिस में होने हैं। भारत अब तक 3 मल्टी स्पोर्ट्स गेम्स की मेजबानी कर चुका है। इनमें 1951 और 1982 के एशियन गेम्स और 2010 के कॉमनवेल्थ गेम्स शामिल हैं। 2010 में दिल्ली में कॉमनवेल्थ गेम्स हुए थे।

बोरुसिया डॉर्टमंड ने चेल्सी से चुक्वुएमेका के साथ किया करार

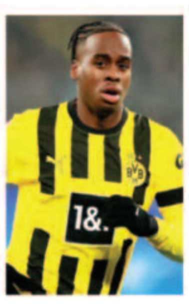

नई दिल्ली, 27 अगस्त (ए)। जर्मन क्लब बोरुसिया डॉर्टमंड ने इंग्लिश मिडफील्डर कार्नी चुक्वुएमेका को इंग्लिश प्रीमियर लीग टीम चेल्सी से स्थायी करार पर साइन करने की पुष्टि कर दी है। क्लब ने मंगलवार को यह जानकारी दी। 21 वर्षीय चुक्वुएमेका ने पिछले सीजन डॉर्टमंड के लिए छह महीने लोन पर खेला था, जिसमें उनके प्रदर्शन ने प्रभावित किया। अब उन्होंने डॉर्टमंड के साथ जून 2030 तक का कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, डॉर्टमंड ने यह डील करीब 25 मिलियन यूरो (लगभग 27 मिलियन अमेरिकी डॉलर) में पूरी की है, जो पिछले सर्दियों में तय शुरुआती विकल्प से कम है। डॉर्टमंड के स्पोर्टिंग डायरेक्टर सेबेस्टियन केली ने कहा, कार्नी एक असाधारण प्रतिभा है, जिसने पिछले सीजन के दूसरे हिस्से में हमारे लिए अपनी क्षमता के कई झलक दिखाई। वह तंग हालात में फर्क ला सकता है, मिडफील्ड में रचनात्मकता देता है और हमारे खेल में एक नया आयाम जोड़ता है। चुक्वुएमेका ने 2024/25 सीजन में डॉर्टमंड के लिए सभी प्रतियोगिताओं में 17 मैच खेले, जिसमें फीफा क्लब विश्व कप के चार मैच भी शामिल थे। उन्होंने बुंडेसलीगा में फ्राइबर्ग के खिलाफ 4-1 की जीत में एक गोल दागा। हालांकि चोट की छोटी-छोटी समस्याओं के कारण वे अक्सर बतौर सब्स्टीट्यूट ही खेले, लेकिन कोचिंग स्टाफ ने उनकी लंबी अवधि की उपयोगिता को पहचाना। मुख्य कोच निको कोवाच इस सीजन उन्हें और ज्यादा नियमित रूप से शामिल करने की योजना बना रहे हैं। खुद चुक्वुएमेका ने भी इस करार पर खुशी जताई। उन्होंने कहा, बोरुसिया डॉर्टमंड का स्थायी हिस्सा बनना शानदार अहसास है। पिछले कुछ महीनों में मैंने कोच, टीम और खासकर फैंस को करीब से जाना है। अब बीवीबी मेरा नया घर है और मैं टीम के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए अपना सब कुछ दूंगा।

ब्राजील अक्टूबर में खेलेगा दक्षिण कोरिया और जापान से दोस्ताना मुकाबले

नई दिल्ली,27 अगस्त (ए)। ब्राजीलियाई फुटबॉल महासंघ (सीबीएफ) ने मंगलवार को घोषणा की कि पांच बार का विश्व चैंपियन ब्राजील अक्टूबर में दक्षिण कोरिया और जापान के खिलाफ दोस्ताना मुकाबले खेलेगा। यह मैच 2026 विश्व कप की तैयारी का हिस्सा होंगे। कार्यक्रम के अनुसार, ब्राजील 10 अक्टूबर को सियोल में दक्षिण कोरिया से भिड़ेगा,जबकि 14 अक्टूबर को टोक्यो में जापान से उसका सामना होगा। ब्राजील पहले ही 2026 विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर चुका है और अगले महीने अपने अंतिम दो क्वालिफ़ायर में चिली और बोलिविया का सामना करेगा। सीबीएफ के जनरल कोऑर्डिनेटर रोड्रिगो कैएटानो ने कहा कि ये दोस्ताना मुकाबले टीम को विभिन्न फुटबॉल शैलियों का अनुभव देंगे। उन्होंने बताया, दक्षिण कोरिया और जापान के बाद हमारा प्लान नवंबर में अफ्रीकी टीमों और मार्च तथा जून 2026 में यूरोप की शीर्ष टीमों से मुकाबला करने का है। विश्व कप से पहले अलग-अलग फुटबॉल शैलियों से मुकाबला करना हमारे लिए मूल्यवान अनुभव होगा। टीम के कोच कार्लो एंसेलोटी ने भी कहा कि इन मैचों से उन्हें खिलाड़ियों की क्षमताओं और व्यक्तित्व को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिलेगी।

भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने आईपीएल से लिया संन्यास

नई दिल्ली,27 अगस्त (ए)। दिग्गज भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से संन्यास का ऐलान कर दिया है। हालांकि, उन्होंने अन्य लीग्स में खेलते रहने की बात कही है। उन्होंने बुधवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए इसकी घोषणा की। अश्विन ने एक्स पर लिखा, विशेष दिन और इसलिए विशेष शुरुआत। कहते हैं कि हर अंत के साथ एक नई शुरुआत होती है। एक आईपीएल क्रिकेटर के रूप में मेरा समय आज समाप्त हो रहा है, लेकिन विभिन्न लीगों में खेल की खोज करना का मेरा समय आज से शुरू हो रहा है। मैं सभी फ्रेंचाइजियों को इतने सालों की शानदार यादों और रिश्तों के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। सबसे जरूरी आईपीएल और बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड) को, जिन्होंने अब तक मुझे इतना कुछ दिया है। आगे जो भी मेरे सामने है, उसका आनंद लेने और उसका पूरा लाभ उठाने के लिए उत्सुक हूं।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से पहले ही ले चुके हैं संन्यास : अश्विन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से पहले ही संन्यास ले चुके हैं। उन्होंने 18 दिसंबर 2024 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गाबा टेस्ट के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। हालांकि, उन्होंने आईपीएल खेलना जारी रखा था। अब दिग्गज खिलाड़ी ने आईपीएल को भी अलविदा कह दिया है। पिछले सीजन खास नहीं रहा प्रदर्शन38 साल के अश्विन पिछले सीजन में चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम का हिस्सा थे, लेकिन उनका प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था।उन्हें आईपीएल 2025 में 9 मैचों में खेलने का मौका मिला, जहां उन्होंने 7 विकेट लिए थे। इसके अलावा बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने केवल 33 रन बनाए थे। अश्विन का आईपीएल में प्रदर्शनअश्विन ने सीएसके फ्रेंचाइजी से अपने आईपीएल करियर की शुरुआत की थी और इसी फ्रेंचाइजी में रहते हुए उन्होंने आईपीएल करियर का अंत किया है। वह आईपीएल में सीएसके के अलावा राइजिंग पुणे सुपरजाएंट्स, दिल्ली कैपिटल्स, पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स की टीम का हिस्सा रहे। वह पंजाब टीम की कप्तानी भी कर चुके हैं।

आईपीएल 2025 में लगी थी 9.75 करोड़ रुपये की बोली

सीएसके ने आईपीएल 2025 से पहले दुबई के जेद्दा में हुई मेगा नीलामी में अश्विन को 9.75 करोड़ रुपये की मोटी बोली लगाकर अपने दल में शामिल किया था। उससे पहले वह आरआर का हिस्सा थे। इस नीलामी के बाद अश्विन की करीब एक दशक बाद सीएसके में वापसी हुई थी। बता दें कि अश्विन साल 2009 से 2015 तक सीएसके का हिस्सा रहे थे,लेकिन उसके बाद टीम ने उन्हें रिलीज कर दिया था।

अश्विन ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर लिया संन्यास

अश्विन ने एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, आज एक खास दिन है और इसलिए एक नई शुरुआत भी। कहते हैं कि हर अंत के साथ एक नई शुरुआत होती है। आज मेरे आईपीएल क्रिकेटर के सफर का अंत हो रहा है, लेकिन विभिन्न लीगों में खेल की खोज के रूप में मेरा नया सफर शुरू हो रहा है। मैं सभी फ्रेंचाइजियों का तहेदिल से शुक्रिया अदा करना चाहता हूं,जिन्होंने मुझे अनमोल यादें और रिश्ते दिए। सबसे ज्यादा धन्यवाद आईपीएल और बीसीसीआई को, जिन्होंने मुझे अब तक बहुत कुछ दिया। मैं भविष्य में आने वाली संभावनाओं का आनंद लेने और उनका अधिकतम लाभ उठाने के लिए उत्सुक हूं।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कहा

अश्विन ने पिछले साल दिसंबर में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। उन्होंने 14 से 18 दिसंबर के बीच खेले गए गाबा टेस्ट के बाद रिटायरमेंट का ऐलान किया था। वे कप्तान रोहित शर्मा के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में पहुंचे था। उन्होंने कहा था, आज भारतीय टीम के क्रिकेटर के तौर पर मेरा अंतिम दिन था। मैं क्लब क्रिकेट खेलता रहूंगा। अश्विन ने तीनों फॉर्मेट मिलाकर 287 मैच खेले और 765 विकेट लिए।

ऑस्ट्रेलिया को वर्ल्ड कप जिताने वाले कप्तान को हुआ स्किन कैंसर,सोशल मीडिया पर शेयर किया भावुक पोस्ट

नई दिल्ली,27 अगस्त (ए)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क स्किन कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी से जूझ रहे हैं। क्लार्क को साल 2006 में इस बीमारी के बारे में पता चला था। इसके बाद से वो लगातार इसको हराने में लगे हुए हैं। क्लार्क ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है। जिसमें ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज ने बताया है कि उन्होंने चेहरे से कैंसर हटाने के लिए आपरेशन कराया है। साथ ही इस बीमारी के प्रति लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया है। फेसबुक पर क्लार्क ने लिखा, स्किन कैंसर सच है! खासकर ऑस्ट्रेलिया में। आज मेरी नाक से एक और कैंसर निकल गया। अपनी स्किन की जांच जरूर करवाएं, ये एक फ्रेंडली रिमाइंडर है। रोकथाम इलाज से बेहतर है। इसके लिए नियमित जांच करना जरूरी है। शुक्र है कि इस बीमारी के बारे में मुझे जल्दी पता चल गया। क्लार्क ने कैंसर को अपने चेहरे से हटाने के लिए कई ऑपरेशन कराए हैं। ऑस्ट्रेलिया में कई दिग्गजों को इस बीमारी से जूझना पड़ा है। पूर्व कप्तान इयान चैपल ने भी इस साल जुलाई में खुलसा किया था कि वह भी त्वचा के कैंसर से जूझ रहे हैं। वहीं दिग्गज कमेंटेटर रिची बेनो का स्किन कैंसर के कारण अप्रैल 2015 में निधन हो गया था। बता दें माइकल क्लार्क ने साल 2015 में इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट ले ली थी। क्लार्क ने अपना वनडे डेब्यू जनवरी 2003 में इंग्लैंड के खिलाफ एडिलेड में किया था। वहीं उनका टेस्ट डेब्यू अक्टूबर 2004 में भारत के खिलाफ हुआ। क्लार्क की कप्तानी में ही ऑस्ट्रेलिया ने 2013-14 की एशेज सीरीज में इंग्लैंड को 5-0 से क्लीन स्वीप किया था। वहीं 2015 में ऑस्ट्रेलिया ने वर्ल्ड कप जीता था।

संजू एशिया कप 2025 में निचले क्रम में बल्लेबाजी करने को तैयार...कोच ने खुद किया ये दावा

नई दिल्ली,27 अगस्त (ए)। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन के मेंटर कम कोच राइफी गोमेज ने उनके बल्लेबाजी क्रम को लेकर बड़ा दावा किया है। उनकी यह टिप्पणी एशिया कप 2025 से पहले आई है, जिसमें केरल के इस स्टार को संभवतः पांचवें या छठे नंबर पर बल्लेबाजी करनी पड़ सकती है, क्योंकि चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर पहले सलामी बल्लेबाज की भूमिका शुभमन गिल को देने की बात कह चुके हैं। 8 देशों के इस टूर्नामेंट से पहले सैमसन के कोच ने स्पष्ट किया है कि टीम की जरूरतों के हिसाब से संजू को किसी भी क्रम पर बल्लेबाजी करने में कोई दिक्कत नहीं है। क्या पांचवें या छठे नंबर पर संजू सैमसन फिट रहेंगे इस पर द टेलीग्राफ से बात करते हुए गोमेज ने दावा किया कि सैमसन निचले क्रम में बल्लेबाजी करने के लिए खुद को ढाल सकते हैं, क्योंकि वह पेशेवर और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक स्थापित खिलाड़ी हैं। उन्होंने कहा कि विकेटकीपर-बल्लेबाज का लचीलापन उन्हें मार्गदर्शन देता है और उन्हें अपनी क्षमताओं पर पूरा भरोसा है। सैमसन ने केरल क्रिकेट लीग के कोच्चि ब्ल्यू टाइगर्स के शुरुआती मैच में खुद को मध्यक्रम में रखा। हालांकि, उन्हें एक भी मैच में बल्लेबाजी करने की जरूरत नहीं पड़ी। अगले मैच में उन्होंने सलामी बल्लेबाज के रूप में वापसी करते हुए 42 गेंदों में तूफानी शतक जड़ दिया।

फिल्म 'मिराई' पूरे भारत में रिलीज के लिए तैयार,इसी हफ्ते ट्रेलर रिलीज होगा

युवा नायक तेजा सज्जा,जिन्होंने अपनी सुपरहीरो छवि से पहले ही एक अलग पहचान बना ली है, अपनी बहुप्रतीक्षित अखिल भारतीय दृश्यात्मक फिल्म मिराई में एक सुपर योद्धा के रूप में दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। कार्तिक घट्टामनेनी द्वारा निर्देशित इस फ़िल्म का निर्माण पीपल मीडिया फ़ैक्टरी के बैनर तले टीजी विश्व प्रसाद और कीर्ति प्रसाद द्वारा बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। मिराई के ख़ास जन्मदिन पोस्टर में तेजा सज्जा ने दिखाया अदम्य साहस, अब तक की झलकियाँ, टीजर, बीटीएस वीडियो और हाल ही में रिलीज हुए वाइब गाने ने जबरदस्त चर्चा बटोरी है। अब, इस उत्साह को और बढ़ाते हुए, निर्माताओं ने पुष्टि की है कि ट्रेलर 28 अगस्त को रिलीज किया जाएगा। नए रिलीज हुए ट्रेलर पोस्टर ने उम्मीदों को एक नए स्तर पर पहुँचा दिया है। इसमें तेजा सज्जा एक जादुई छड़ी लिए हुए ऊर्जा से भरपूर दिख रहे हैं, जबकि मनोज एक विशाल काली तलवार पकड़े हुए, खलनायक के रूप में उग्र दिख रहे हैं। नायक और खलनायक के बीच जबरदस्त टकराव एक एक्शन से भरपूर दृश्यात्मक तमाशा का वादा करता है। रितिका नायक, तेजा के साथ मुख्य भूमिका में हैं, जबकि प्रसिद्ध कलाकार श्रिया सरन, जयराम और जगपति बाबू महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। फिल्म की विशिष्टता को और बढ़ाते हुए, निर्देशक कार्तिक घट्टामनेनी ने छायांकन और पटकथा भी संभाली है, जबकि संवाद मणिबाबू करनम द्वारा लिखे गए हैं। संगीत गौरा हरि द्वारा रचित है, श्री नागेंद्र तंगला कला निर्देशक और सुजीत कुमार कोल्ली कार्यकारी निर्माता हैं। निर्माताओं ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की है कि मिराई 12 सितंबर को दुनिया भर के सिनेमाघरों में आठ भाषाओं में, 2डी और 3डी दोनों प्रारूपों में रिलीज होगी।

लोग मेरी हिंदी का मजाक उड़ाते थे,कहते थे ऐसी शक्ल-सूरत वाली को काम नहीं मिलेगा : सूरजासिखा दास

असम से मुंबई तक का संघर्ष भरा सफर। बचपन का सपना पूरा करने के लिए हर मुश्किल का डटकर सामना। मायानगरी में ना कोई पहचान,ना कोई सहारा। बस एक्टिग का जुनून और मां का अटूट भरोसा। यह बानगी है कि एक्ट्रेस सूरजासिखा दास की। वह हाल ही काजोल स्टारर फिल्म मां में नंदिनी के किरदार में नजर आईं। इसके अलावा हमने उन्हें ओटीटी पर द नाइट मैनेजर,द ट्रायल,कॉल मी बे,और गुटरगूं सीजन 3 में भी देखा और पसंद किया है। सूरजासिखा ने अपने करियर से लेकर परिवार, सपनों से लेकर संघर्ष तक के बारे में खुलकर बात की है। वह बताती हैं कि कैसे उत्तर-पूर्व राज्य से आने के कारण हिंदी में उनका हाथ तंग रहा है और इस कारण उनका खूब मजाक उड़ाया जाता था। टीवी पर बड़े अच्छे लगते हैं में नजर आने वाली अभिनेत्री ने यह भी बताया कि लोग उनसे यह कहने में भी गुरेज नहीं करते थे कि शक्ल और सूरत के कारण उन्हें काम नहीं मिलेगा। सूरजासिखा अपने बैकग्राउंड के बारे में कहती हैं, 'मैं असम से हूं। मेरे पिता बहुत सख्त और पारंपरिक सोच वाले थे। जैसे ज्यादातर मध्यमवर्गीय परिवारों में होता है, हमें हमेशा यही सिखाया गया कि स्थिरता और सुरक्षा सबसे जरूरी है। हमारे पास सिर्फ तीन करियर विकल्प थे- डॉक्टर, इंजीनियर, या शायद बैंकर। एक्ट्रेस ने आगे कहा, मां की यह ताकत मुझे सबसे बुरे वक्त से निकाल लाई। जब कोई और मुझ पर यकीन नहीं करता था, तब भी वो करती थीं। और वो विश्वास ही काफी था। ऐसे कई पल आए जो मुश्किल थे, इतने कि एक चुनना मुश्किल है। लेकिन मैंने हमेशा सिर्फ अच्छा ही आगे बढ़ाया है। मैं ऐसे ही काम करती हूं। फिर भी, मुझे याद है कि शुरुआती दिनों में लोग मेरी हिंदी पर हंसते थे। मेरे बोलने के तरीके का मजाक उड़ाते थे। कुछ ने तो यहां तक कहा कि मैं अपनी शक्ल-सूरत और बैकग्राउंड की वजह से आगे नहीं बढ़ पाऊंगी। यह तकलीफ देता था, लेकिन अजीब तरह से, उन्हीं पलों ने मुझे और मेहनत करने पर मजबूर किया। आज मैं उनकी शुक्रगुजार हूं। क्योंकि मैंने उस मजाक को अपनी प्रेरणा बना लिया।

मेरी एक बहन डॉक्टर और दूसरी प्रोफेसर है : एक्ट्रेस ने आगे कहा, मेरी दोनों बहनें अकादमिक क्षेत्र में हैं। एक डॉक्टर और दूसरी प्रोफेसर है, तो स्वाभाविक था कि मुझसे भी यही उम्मीद थी। इसी वजह से मैंने अपने सपनों को लंबे समय तक अपने तक ही रखा। मैंने पढ़ाई की, एमबीए पूरा किया, आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनी ताकि अगर कभी करियर बदलूं तो किसी पर निर्भर ना रहना पड़े। जब मैंने आखिरकार अभिनय में कदम रखने का फैसला किया, तब सिर्फ एक इंसान बिना शर्त मेरे साथ खड़ी रही, वो हैं मेरी मां। उस भरोसे का मतलब मेरे लिए सबकुछ था। अब मेरी बहनें भी मेरा साथ देती हैं, लेकिन तब बस मां ही थीं। उन्हें इंडस्ट्री के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी, लेकिन उन्होंने कहा- जो चाहिए बताओ, मैं करूंगी। मुझे तुम पर भरोसा है।

मैं हर दिन जाकर लोगों से काम मांगती : मुंबई के अपने संघर्ष के बारे में वह बताती हैं, बहुत मुश्किल था। मैं बेंगलुरु से मुंबई आई। यहां मैं किसी को नहीं जानती थी। न दोस्त, ना रिश्तेदार, ना थिएटर का बैकग्राउंड, ना नौकरी, ना कोई और संपर्क। सबकुछ खुद से समझना पड़ा। सबसे पहले तो घर ढूंढना ही संघर्ष था। किराए बहुत ज्यादा थे। किसी के जरिए मुझे एक ब्रोकर का नंबर मिला और किसी तरह मलाड में एक घर मिल गया। फिर सामान लाकर शिफ्ट हुई। यह पहला कदम था। अगली बड़ी चुनौती थी यह पता लगाना कि शुरुआत कहां से करूं। मुझे नहीं पता था ऑडिशन कहां होते हैं। मैंने फेसबुक पर क्रू कॉल इंडिया और कास्टिंग कॉल्स जैसे पेज ढूंढे और अनजान लोगों को मैसेज किया। कुछ ने मुझे अराम नगर और मलाड के जानकी देवी के बारे में बताया, तो मैं रोज वहां जाकर लोगों से काम मांगती थी। यह डरावना था, खासकर एक लड़की के लिए, जो शहर में नई हो। नहीं पता था किस पर भरोसा करें।

काजोल के साथ काम करने को लेकर नर्वस थी

काजोल के साथ हॉरर ड्रामा मां में काम करने के अनुभव पर सूरजासिखा ने बताया कि उनकी मजबूत स्क्रीन प्रेजेंस और सीनियरिटी के कारण शुरुआत में वह उनके पास जाने से झिझकती थीं, लेकिन वक्त के साथ सेट पर दोनों के बीच सहज रिश्ता बन गया। वह कहती हैं, शुरुआत में मैं थोड़ी नर्वस थी। मुझे आज भी याद है, मैंने मां की गोद में बैठकर जो पहली फिल्म सिनेमाघर में देखी थी, वो काजोल मैम की थी। तब फिल्मों का मतलब समझ नहीं आता था, लेकिन उनसे प्यार हो गया था। वह हमेशा से मेरी पसंदीदा अभिनेत्रियों में रही हैं। इसलिए उनके सामने अभिनय करना, डायलॉग क्यूज लेना।

टीचर को हाईकोर्ट ने राहत देने से किया इनकार,याचिका खारिज

बिलासपुर,27 अगस्त 2025 । बिलासपुर हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने कहा कि,स्कूल टीचर का पद विश्वास और जिम्मेदारी का है। नाबालिग छात्राओं के साथ यौन, अपमानजनक या शोषणकारी कृत्य केवल व्यवसायिक कदाचार नहीं है। बल्कि, पाक्सो एक्ट के तहत गंभीर दंडनीय अपराध है। इस टिप्पणी के साथ ही हाईकोर्ट ने छात्राओं से बैड-टच करने वाले शिक्षक की अपील को खारिज कर दी है। मामला मुंगेली जिले का है। दरअसल,मुंगेली जिले के बरेला शासकीय स्कूल में पदस्थ कीर्ति कुमार शर्मा गणित और अंग्रेजी पढ़ाने के लिए नियुक्त था। लेकिन, वो बिना अधिकार और अनुमति के सातवीं कक्षा में जाकर विज्ञान पढ़ाता था। इस दौरान छात्राओं ने उनके खिलाफ बैड-टच और अभद्र टिप्पणी करने की शिकायत की। छात्राओं की शिकायत पर डीईओ ने साल 2019 में बीईओ प्रतिभा मंडलोई से जांच कराई। इस दौरान छात्राओं के साथ ही शिक्षकों के बयान लिए गए। जांच में पाया गया कि कीर्ति कुमार शर्मा गणित और अंग्रेजी पढ़ाने के लिए नियुक्त था, फिर भी वो विज्ञान पढ़ाता था।

छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़,4 नक्सली ढेर

नारायणपुर,27 अगस्त 2025। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली और छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले की सीमा के पास जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। इस मुठभेड़ में 4 नक्सलियों के मारे जानें की खबर है। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस को सूचना मिली थी कि गट्टा दलम कंपनी नंबर 10 और गढ़चिरौली डिवीजन के अन्य माओवादी संगठन कोपरशी वन क्षेत्र में मौजूद हैं। जिसके बाद सुरक्षाबलों ने घेराबंदी की। इसके बाद गढ़चिरौली पुलिस की एंटी नक्सल कमांडो फोर्स सी-60 की 19 टुकड़ियां और सीआरपीएफ की क्विक एक्शन टीम की दो इकाइयां उस क्षेत्र में भेजी गईं। टीम बुधवार सुबह जंगल में पहुंची। तलाशी अभियान के दौरान नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी।

दिल्ली-रायपुर एयर इंडिया की फ्लाइट माना एयरपोर्ट में लैंडिंग से पहले भुवनेश्वर डायवर्ट

रायपुर,27 अगस्त 2025। दिल्ली से रायपुर आ रही एयर इंडिया की फ्लाइट को बुधवार सुबह अचानक भुवनेश्वर डायवर्ट किया गया। जब विमान को भुवनेश्वर में उतारा गया तो यात्रियों ने जमकर हंगामा किया। अब भुवनेश्वर में यात्री फंस गए हैं। यात्रियों ने बताया कि विमान जैसे ही रायपुर एयरपोर्ट में लैंडिंग करने वाली थी, इस दौरान अचानक विमान को फिर आसमान में ऊपर ले जाया गया, एक पल के लिए सभी यात्री सहम गए।बता दें कि इस फ्लाइट ए12793 की लैंडिंग आज सुबह 27 अगस्त को 8 बजे रायपुर एयरपोर्ट में होनी थी।

छत्तीसगढ़ औद्योगिक नीति 2024-30 आईसीसीके के साथ होगा ज्ञान व निवेश सहयोग

छत्तीसगढ़ के संसाधनों के मिलन से विकास का एक नया युग लिखा जाएगा

एटीसीए से आईटी,इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर,फार्मा और टेक्सटाइल क्षेत्र की 60 से अधिक प्रमुख कंपनियाँ हैं शामिल

रायपुर,27 अगस्त 2025 । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने दक्षिण कोरिया प्रवास के दौरान सियोल में एडवांस्ड टेक्नोलॉजी सेंटर एसोसिएशन (एटीसीए) के चेयरमैन ली जे जेंग एवं वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। एटीसीए एक सशक्त औद्योगिक नेटवर्क है, जिसमें आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, फार्मा और टेक्सटाइल क्षेत्र की 60 से अधिक प्रमुख कंपनियाँ शामिल हैं। मुख्यमंत्री साय ने एटीसीए प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार निवेशकों के लिए एक अनुकूल वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने श्री ली जे जेंग और उनके साथ आए वरिष्ठ अधिकारियों को आमंत्रित किया कि वे अपने आगामी भारत दौरे के दौरान छत्तीसगढ़ अवश्य आएँ और राज्य में उपलब्ध निवेश व सहयोग की संभावनाओं का प्रत्यक्ष अवलोकन करें।

कंपनियों के साथ बी2बी साझेदारी में दिखाई है रुचि

एटीसीए ने छत्तीसगढ़ की कंपनियों के साथ बी2बी साझेदारी में रुचि दिखाई है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में आईआईटी,आईआईएम, एनआईटी और एम्स जैसे राष्ट्रीय संस्थान मौजूद हैं, जो विश्वस्तरीय प्रतिभा उपलब्ध कराते हैं। राज्य का 'प्लग एंड प्ले' इंफ्रास्ट्रक्चर और सशक्त लॉजिस्टिक्स नेटवर्क छत्तीसगढ़ को एटीसीए के अनुसंधान एवं विकास केंद्रों और भारत में उनके विस्तार का स्वाभाविक हब बनाता है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ तेजी से विकसित हो रहा है और यहाँ उद्योग-अनुकूल नीतियाँ, प्रचुर प्राकृतिक संसाधन, कुशल मानव संसाधन तथा मज़बूत बुनियादी ढाँचा उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, फार्मा और टेक्सटाइल जैसे उभरते क्षेत्रों में एटीसीए कंपनियाँ यहाँ आकर निवेश करें और साझेदारी के नए आयाम स्थापित करें।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इन्वेस्टर कनेक्ट कार्यक्रम में लिया भाग

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने दक्षिण कोरिया प्रवास के दौरान सियोल में आयोजित छत्तीसगढ़ इन्वेस्टर कनेक्ट कार्यक्रम में भाग लिया,जिसका आयोजन इंडियन चेम्बर ऑफ कॉमर्स इन कोरिया के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ दक्षिण कोरियाई कंपनियों के लिए असीम संभावनाओं की धरती है। उन्होंने उल्लेख किया कि दक्षिण कोरिया भारत के शीर्ष तीन इस्पात निर्यात गंतव्यों में शामिल है और छत्तीसगढ़, देश का अग्रणी इस्पात उत्पादक राज्य होने के नाते, इस सहयोग को और गहरा करने तथा निवेश के नए अवसर प्रदान करने के लिए तैयार है।

मुख्यमंत्री साय ने आईसीसीके को नॉलेज पार्टनर के रूप में शामिल करने की घोषणा

इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने आईसीसीके को नॉलेज पार्टनर के रूप में शामिल करने की घोषणा करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ औद्योगिक नीति 2024-30 के तहत तकनीक,स्किलिंग और वैश्विक सहयोग को एक नई दिशा दी जाएगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि कोरिया की नवाचार क्षमता और छत्तीसगढ़ के संसाधनों के मिलन से विकास का एक नया युग लिखा जाएगा। मुख्यमंत्री ने यह भी रेखांकित किया कि छत्तीसगढ़ सरकार प्रत्येक निवेशक को सिंगल विंडो क्लियरेंस से लेकर भूमि आवंटन, आवश्यक अनुमतियों और सहयोगी नीतियों तक हर स्तर पर सहयोग प्रदान कर रही है।

छत्तीसगढ़ पुलिस के 7 एडिशनल एसपी आईपीएस अवार्डेड...मिला प्रमोशन,केंद्र सरकार ने जारी किया आदेश

रायपुर,27 अगस्त 2025। राज्य पुलिस सेवा में अपनी लम्बी तैनाती के बाद केंद्र के गृह विभाग ने छत्तीसगढ़ पुलिस के साथ एडिशनल एसपी का आईपीएस अवार्ड किया है। जिन एएसपी को आईपीएस प्रमोट किया गया है उनमें पंकज चंद्रा, श्वेता सिन्हा, वेदव्रत सिरमौर, विमल कुमार बैंस, हरीश पांडे, भावना पांडे और राजश्री पांडे का नाम शामिल है। भारत सरकार के सचिवालय ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। आने वाले दिनों में सभी को बैच लौट करते हुए नई और बड़ी जिम्मेदारियां

दी जाएंगी। गौरतलब है कि पिछले साल भी छत्तीसगढ़ राज्य पुलिस सेवा के सात अफसरों को केंद्रीय गृह मंत्रालय की तरफ से आईपीएस अवार्ड किया गया था। इनमें उमेश चौधरी,मनोज खिलाड़ी,रवि कुमार कुर्रे,चैनदास टंडन,सुरजन राम भगत, दर्शन सिंह मरावी और झाड़ू राम ठाकुर का नाम शामिल था।

बस्तर में बाढ़ : कार के साथ बह गया पूरा परिवार,4 लोग लापता

बस्तर,27 अगस्त 2025 । बंगाल की खाड़ी में बने लो प्रेशर एरिया के कारण बस्तर संभाग में भारी बारिश के बाद आई बाढ़ में कई इलाकों में लोग फंस गए हैं। यहां कार के साथ बहा एक परिवार लापता है। जबकि कार के ड्राइवर का रेस्क्यू कर लिया गया है। वहीं मंदार गांव में छत में फंसे 6 लोगों का रेस्क्यू किया गया। दरअसल मंगलवार की सुबह करीब 8 बजे कांगेरवेल्ली नेशनल पार्क के नेशनल हाइवे 30 में एक परिवार बाढ़ के पानी में कार के साथ बह गया। जिसके बाद लगातार बारिश के कारण जलस्तर बढ़ गया और इसके कारण रेक्सयू टीम लेट से अपनी कार्रवाई शुरू कर पाई. शाम करीब 5 बजे के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन में बाढ़ के बीच कार से निकले ड्राइवर का सुरक्षित रेस्क्यू किया गया,

वहीं कार में सवार 1 दंपति और उनके 2 बच्चे लापता हैं। जिनका रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।

मकान में फंसे लोगो का हुआ रेस्क्यू : इंद्रावती नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण मंदार गांव के ये लोग घर की छत पर फंसे हुए थे। वायुसेना के हेलीकॉप्टर से इन्हें सुरक्षित बाहर निकाला गया।

सीआरपीएफ मुख्यालय में घुसा पानी : उधर बीजापुर के भैरमगढ़ स्थित सीआरपीएफ 165वीं बटालियन के मुख्यालय में इंद्रावती नदी का जलस्तर बढ़ने से पानी घुस गया। दंतेवाड़ा-जगदलपुर रोड पर बंजारीनघाट पर सड़क में पानी भर गया। छिंदगढ़ के कोकराल नदी में पुल के ऊपर से पानी बह रहा है। सुकमा में लगातार बारिश से शबरी नदी उफान पर है।

मौसम विभाग का कहना है कि अगले 3 दिन कई जगहों पर भारी बारिश हो सकती है। आज बीजापुर, दंतेवाड़ा, बस्तर और कोंडागांव इन चार जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। इसके अलावा सुकमा, नारायणपुर, कांकेर, धमतरी, गरियाबंद इन 5 जिलों में भारी बारिश का यलो अलर्ट है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)